

सृजन



राजकीय महाविद्यालय

मंगाली (हिंसर)

EDITORIAL BOARD



Sitting from Left to Right

Dr. Kamalpreet Kaur (Commerce) | **Ms. Meenu** (English)
Ms. Seema (Hindi) | **Prof. Anju Chaudhary** (Principal)
Dr. Meena Rani (Science) | **Dr. Dayanand Arya** (Sanskrit)

Standing from Left to Right Student Editors

Sahil (Commerce) | **Deepika** (English),
Garima (Hindi) | **Sweeti** (Science) | **Harshit** (Sanskrit)



From the Principal's Desk



It gives me immense pleasure to present this year's edition of our college magazine, "Srijan". This publication is not just a collection of articles, but a reflection of the creativity, talent, and intellectual spirit of our students. I sincerely appreciate the efforts of the editorial team, faculty members, and all contributors who have worked diligently to make this magazine a success.

We are living in a rapidly changing world where knowledge, innovation, and technology are shaping every aspect of life. In such times, education must go beyond textbooks and examinations. It should help students develop character, confidence, critical thinking, and a sense of responsibility toward society. I encourage all students to use every opportunity to explore their potential, express their ideas, and participate in activities that nurture both mind and personality.

Youth is the foundation of a nation's future. Your dedication, discipline, and determination will not only shape your own careers but also contribute to the progress of society. Remember, true success is not measured only by marks, but by values, integrity, and the ability to make a positive difference in the lives of others.

I am confident that this magazine will inspire readers and showcase the vibrant academic and cultural life of our institution. My heartfelt blessings and best wishes are with all of you. May you continue to strive for excellence and grow into responsible, capable, and compassionate individuals.

With best wishes,
Principal



संदेश

प्रिय विद्यार्थियो,

कॉलेज की इस मैगजीन के माध्यम से मैं आप सभी से कहना चाहती हूँ कि आपका भविष्य आपके हाथ में है। आप ज्ञान, मेहनत और लगन के द्वारा ही अपने लक्ष्यों तक पहुँच सकते हो। हम किताबों से, सहपाठियों से, जीवन सीखने के अनुभवों से प्रतिदिन कुछ नया सीखते हैं।

इस पत्रिका में हमने अपने साथियों व विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ, रचनाएँ और उनके विचार संकलित किए हैं। इन्हें पढ़कर आप न केवल प्रेरित होंगे, बल्कि अपनी छुपी प्रतिभा को भी पहचान सकेंगे।

सपनों को सिर्फ देखने से कुछ नहीं होता, उन्हें पूरा करने के लिए प्रयास करना पड़ता है। असफलताओं से घबराना नहीं क्योंकि वही असली सीख देती हैं। हर चुनौती एक अवसर है और हर प्रयास आपको आपके लक्ष्य की ओर ले जाता है।

आइए, इस पत्रिका के माध्यम से हम सभी मिलकर ज्ञान, रचनात्मकता और सकारात्मक सोच का जश्न मनाएँ। अपने सपनों पर विश्वास रखें, मेहनत जारी रखें और हमेशा नई चीजें सीखने का उत्साह बनाए रखें।

श्रीमती सीमा

मुख्य संपादिका हिंदी विभाग



**Government College
Mangali, Hisar**

हिन्दी अनुभाग



संपादक

श्रीमती सीमा

सहायक प्राफेसर, हिंदी अनुभाग

INDEX

शीर्षक	लेखक	पेज संख्या
सम्पादकीय	श्रीमती सीमा	3
ये जमाने भर की जिम्मेदारियां	रितू	4
गरीब से अमीर बनने का सफर....	धीरज	4
संकल्प	शीतल	5
मां की आंखों में	सरीना	5
मां	भारती	6
शायरी	रविना कांटीवाल	6
में खुद मैं पूरी	प्रोमिला	7
शायरी	पायल बैनीवाल	7
मैंडम क्लास में पढ़ा रही थी	पल्लवी	8
बेटी है कोई बोझ नहीं!	मुस्कान	8
पिता का साया	पायल	9
परिवार	गरिमा देवेदा	9

हमें ऐसी शिक्षा चाहिए,
जिससे चरित्र का निर्माण हो,
मन की शांति बढ़े, बुद्धि का विकास हो
और मनुष्य अपने पैर पर खड़ा हो सके।

- स्वामी विवकानंद



सम्पादकीय

हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता और चेतना की प्रेषक है। यह भाषा जन-जन की भावना, अनुभव और प्रकाशन का सशक्त माध्यम रही है। समकालीन शिक्षा व्यवस्था में, जहाँ एक ओर विश्व एकीकरण और वैज्ञानिक विकास प्रभाव बढ़ रहा है, वहीं हिंदी भाषा की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। हिंदी न केवल ज्ञान संग्रह का माध्यम है, बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

शिक्षा और भाषा का संबंध

भाषा शिक्षा की आत्मा होती है। मातृभाषा में दी गई शिक्षा अधिक प्रभावी, सहज और स्थायी होती है। हिंदी के माध्यम से विद्यार्थी विषय-वस्तु को गहराई से समझ पाते हैं, जिससे उनकी विचार शक्ति और सृजनात्मक विचार का विकास होता है। नई शिक्षा नीति (NEP) भी मातृभाषा में शिक्षा पर विशेष बल देती है, जो हिंदी के महत्व को और अधिक रेखांकित करती है।

हिंदी और सांस्कृतिक चेतना

हिंदी साहित्य हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों का दर्पण है। कबीर, तुलसी, प्रेमचंद, निराला, महादेवी वर्मा जैसे साहित्यकारों की रचनाएँ विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करती हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक का निर्माण भी है—और इस कार्य में हिंदी साहित्य की भूमिका अतुलनीय है।

तकनीकी युग में हिंदी

आज हिंदी तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। डिजिटल माध्यम, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन पत्रिकाएँ, ब्लॉग और सोशल मीडिया ने हिंदी को वैश्विक मंच प्रदान किया है। यह स्थिति हिंदी विद्यार्थियों के लिए नए अवसर खोलती है—अनुवाद, सामग्री लेखन, मीडिया, पत्रकारिता और अकादमिक शोध के क्षेत्र में।

उच्च शिक्षा में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

हालाँकि अंग्रेजी के बढ़ते प्रभाव के कारण हिंदी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, फिर भी उच्च शिक्षा में हिंदी की संभावनाएँ अत्यंत व्यापक हैं। शोध, आलोचना, भाषा-विज्ञान और अंतर्विषयक अध्ययन के माध्यम से हिंदी को और अधिक समृद्ध बनाया जा सकता है। इसके लिए शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है।

- श्रीमती सीमा
सहायक प्रोफेसर, हिंदी
मुख्य संपादिका

ये जमाने भर की जिम्मेदारियां

कहां निभानी होती है और कहां निभा जाते हैं
कहां जाना होता है और कहां चले जाते हैं
बिताने होते हैं पल जहां, वहां समय की कंजूसी दिखा जाते हैं....
बचपन के साथ खिलवाड़ें होती रह जाती है...
और हम किस्मत की रज़ा मान इसे आगे बढ़ जाते हैं
क्या कर रहे हैं हमारे दोस्त
हम हाल तक ना उनका पूछ पाते हैं....
जो कर रहा है आज जमाना...
कल हम इससे भी बेहतर करेंगे ये ही खुद को आशा दे पाते हैं...
बिताना होता है जो रविवार का दिन...
अपने परिवार की खुशियों के साथ...
पेंडिंग पड़े सिलेबस को निपटाने में हम निकल जाते हैं...
ये जमाने भर की जिम्मेदारियां कहानी निभानी होती है और कहां निभा जाते हैं
कहां जाना होता है हमें और कहां चले जाते हैं.....



- रीतू

स्नातक तृतीय स्तर

अनुक्रमांक : 1231046006

स्वरचित

गरीब से अमीर बनने का सफ़र धीरज की कहानी...

एक छोटे से गाँव में धीरज नाम का लड़का रहता था। उसके पिता मज़दूर थे और माँ घर का काम करती थीं। घर की हालत बहुत खराब थी, लेकिन धीरज के सपने बहुत ऊँचे थे।

हर रात वह आसमान के तारे देखकर सोचता —

“एक दिन मैं भी अपनी ज़िंदगी को ऐसे चमकाऊँगा जैसे ये तारे चमकते हैं।”

दिन में कॉलेज, शाम को मज़दूरी के काम पर जाता था— यही उसकी दिनचर्या थी। लोग मज़ाक उड़ाते थे,

“अरे, पढ़-लिखकर क्या करेगा तू? काम सीख ले, वही काम आएगा।”

लेकिन धीरज ने कभी हार नहीं मानी। उसे यकीन था कि मेहनत करने वालों की किस्मत भी एक दिन बदलती है।

धीरे-धीरे उसने पढ़ाई के साथ-साथ कंप्यूटर चलाना सीखा। गाँव से शहर गया, छोटे-छोटे काम किए, और ऑनलाइन काम शुरू किया। पहले महीने मुश्किल से कुछ सौ रुपये मिले, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी।

वक़्त बीतता गया, मेहनत रंग लाने लगी। उसके काम की तारीफ़ होने लगी, और एक दिन धीरज ने अपनी खुद की कंपनी शुरू कर दी।

अब धीरज के पास अपना घर, अपनी गाड़ी और सैकड़ों लोगों को रोज़गार देने वाली कंपनी है। लेकिन जब भी वह अपने गाँव लौटता है, तो सबसे पहले अपने मम्मी पापा के पास जाकर बैठता है।

इस कहानी से ये शिक्षा मिलती है कि

गरीबी कोई अभिशाप नहीं है, लेकिन हार मान लेना जुल्म है।

- धीरज

अनुक्रमांक : 116

बी.ए. अंतिम वर्ष

संकल्प

दृढ़ है संकल्प तो विकल्प नहीं ढूँढना
निश्चय जब कर लिया संकल्प नहीं छोड़ना

खुद पर विश्वास और मन में उमंग हो
कौशल के साथ अगर साहस का संग हो
तो किसी भी काम को अधूरा नहीं छोड़ना
निश्चय जब कर लिया -----

रात एक दिन सुबह के साथ आएगी
अंधकार छटकर प्रकाश साथ लाएगी
ठान लिया प्रकार मुंह नहीं मोड़ना
निश्चय जब कर लिया -----

विचार को विचार कर
दुःख को दरकिनार कर
एकबार थामकर हाथ नहीं छोड़ना
निश्चय जब कर लिया -----

जीत के लिए तो संकल्प शुद्ध चाहिए
आलस प्रमाद के विरुद्ध युद्ध चाहिए
हारकर किसी से हाथ नहीं जोड़ना
निश्चय जब कर लिया -----

- शीतल

बी.ए. द्वितीय वर्ष

अनुक्रमांक - 1241046004

मां की आंखों में

मां की आंखों में झील सा सुकून हैं,
उसकी चुप्पी में भी बहुत जुनून हैं।
वो एक नजर में जान जाती है दर्द,
कहनी नहीं पड़ती - वो हर बात लेती हैं पकड़।

जहां भी जाऊं , साथ मेरे तेरी परछाई है चलती,
मुसीबत में भी मां तेरी दुआ है काम करती।
दूर होकर भी तू मेरे पास महसूस है होती,
मां तू नहीं तो सब कुछ लगता है अधूरा सा। मां

जब भी टूटा, मां तूने ही जोड़ा,
हर मोड़ पर ,मां तूने ही संभाला।
इस जीवन की राह में, जब कुछ न रहा,
तब भी मां ,तेरा विश्वास साथ रहा।

खुद तक जाती थी, पर कभी नहीं दिखाया
हर काम किया, पर कभी नहीं जताया।
तेरे चेहरे की हर रेखा एक कहानी है,
मां, तू सिर्फ मां नहीं, मेरी जिंदगानी है।

मां की ममता का कोई मोल नहीं,
मां के बिना मेरा कोई रोल नहीं ।

- सरीना

बी. ए. द्वितीय वर्ष

अनुक्रमांक : 1241046035



माँ

तेरे आँचल में सुकून का घर पाया है,
तेरे बिना हर सुख अधूरा नज़र आया है।

तेरी ममता की खुशबू हर पल महकती है,
तेरी गोद में दुनिया कितनी सुकून रखती है।

जब भी गिरा, तूने संभाला प्यार से,
दूर किया हर दर्द अपने प्यार से।

तेरे आशीष में है सारा जहाँ समाया,
तेरे बिना जीवन ने कुछ भी न पाया।

तेरी हँसी से जग उजियारा लगता है,
तेरी दुआओं से सब सुधर जाता है।

तेरी नज़रों में खुदा का नूर बसता है,
तेरे चरणों में सच्चा दस्तूर रहता है।

माँ, तू ही तो हर दिल की जान है,
तेरे बिना ये जीवन वीरान है।

- भारती

बी.ए. द्वितीय वर्ष

अनुक्रमांक: 1241046019



शायरी

दिल दा सारा फितूर होंदा ए

इश्क तो बेकसूर होंदा ए

इश्क नू बुरा ना कह मुंडिया

इश्क तो अल्लाह दा नूर होंदा ए

तेरे जलवे दी ताव है किसन्

शीशा तकदे ही चकनाचूर होंदा ए

गल्ल किसे दी ही हो यारां पर तेरा जिक्र जरूर होंदा ए

- रविना कांटीवाल

द्वितीय वर्ष

अनुक्रमांक 1241046066

मैं खुद में पूरी

जननी और जीवन भी मैं,
जज्बातों पे मेरा जोर नहीं है।
सशक्त व साकार भी हूँ मैं,
नारी हूँ कमजोर नहीं

शिशा हूँ व पत्थर भी हूँ मैं,
झुका सके मुझे ऐसा कोई शख्स नहीं।
स्वाभिमानी हूँ मैं व आत्मनिर्भर भी मैं।
टूट के बिखर जाऊ, अब ऐसा वो वक्त नहीं

नहीं समझना मुझे तुम
आधी अधुरी नहीं अधूरी,
मैं खुद में पूरी साथ चलना हो तो,
खून में पूरी तो हाथ बढाना।
पीछे हटना मुझे मंजूर नहीं।

प्रोमिला
बी.ए. अंतिम वर्ष
अनुक्रमांक: 12310460110



शायरी

एक सुबह में सैर को निकला, दिल में बड़े अरमान थे
एक तरफ हरियाली और एक तरफ शमशान थे
अचानक मेरा पांव एक हड्डी से टकराया
हड्डी के ये ब्यान थे
ऐ चलने वाले मुसाफिर जरा संभल कर चल
हम भी कभी इंसान थे।

- पायल बेनीवाल
द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक : 1241046047

मैडम क्लास में पढ़ा रही थी

मैडम :
अगर इरादा पक्का हो तो जो चाहे वह पाया जा सकता है।

पप्पू :
छोड़िए मैडम जी सब कहने की बात है।

मैडम :
गुस्से में बोली नालायक यह सच बात है।

पप्पू :
अगर ऐसा होता तो आप मेरी मैडम नहीं बल्कि मिसिज होती।
मैडम बेहोश।

एक दिन घर पर मेरे अंकल आए और बोले बेटा तुम्हारी पढ़ाई कैसी चल रही है।

मैंने जवाब दिया, बस अंकल चलते-चलते बहुत दूर चली गई मुझसे

- पल्लवी

कक्षा बी.ए. तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक : 1231046113



बेटी है कोई बोझ नहीं!!

बेटी है कोई बोझ नहीं!!

बेटी है बोझ नहीं!

करना चाहती है कोई खोज नई,
खुशहाल कर देती सूना मौसम कोई

बेटी है बोझ नहीं।

पिता की जान वहीं,

माँ की मुस्कान वहीं,

लक्ष्मी की छाया वहीं,

बेटी है बोझ नहीं!

फूल सी नाजुक वहीं,

पर कमजोर उसको समझना नहीं,

पी.वी., साईना, मेरीकॉम वहीं,

बेटी है बोझ नहीं, बेटी है बोझ नहीं!!

- मुस्कान

बी.ए. तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक: 1231046004



पिता का साया

पिता का साया ठंडी छाँव,
जीवन में भरता नई बहार।
संघर्ष की राहों में दीपक बनकर,
सिखाता है जीना हर बार।
पिता का साया मजबूत दीवार,
हर तूफान से करता रक्षा।
खुद की खुशियाँ पीछे छोड़कर,
हम पर बरसाता स्नेह की वर्षा।
पिता का साया विश्वास की डोर,
हर कदम पर देता सहारा।
गिरते हुए को थाम लेता,
और मंजिल तक पहुँचाता प्यारा।
पिता का साया अमृत जैसा,
जिसमें छिपा है जीवन का सार।
उसकी छत्रछाया में मिलता,
सुरक्षा, प्रेम और अपार आधार।

- पायल

बी.ए. द्वितीय वर्ष

अनुक्रमांक: 1241046033



परिवार

मुसीबत में खड़ा जो साथ बन दीवार होता है
हमारा हौसला हिम्मत वही परिवार होता है।
बड़े मजबूत दुनिया में खून के रिश्ते होते हैं
कहां सबके नसीब में यह प्यार होता है।
जिसके होने से रिश्तों में एक अलग ही जान होती है
मुश्किलें भी जिंदगी की बड़ी आसान होती हैं।
बुरा साया उनके रहते हमें छू भी नहीं सकता
दुआएं जिनकी हमारे साथ होती हैं।
मां ममता की मूरत, पिता ज्ञान की खान
बहन मान है घर का, भाई मेरी जान
दादा-दादी, नाना-नानी परिवार का आधार।
बुआ तो घर की रौनक है।
चाचा-चाची से हंसता है परिवार।
बिन इनके नहीं वजूद मेरा
है परिवार मेरी पहचान।
है क्या परिवार की कीमत
यह उनसे जाकर पूछो तुम
जो खाली पेट आधी रात को सड़कों पर सोते हैं।
वो दिन भर टूट कर दो वक्त की रोटी कमाता है
पिता का साथ ही परिवार की बुनियाद होता है।
बुरे हो लाख हम फिर भी वह हम पर जान देते है
हमारी खामोशी में भी दर्द को पहचान लेते हैं।
दिन हो या रात, चाहे धूप हो या बरसात,
चाहे आए विपत्ति हजार, परिवार ही हर बार देता है साथ।
सभी रिश्ते फरिश्ते हैं भगवान के
बढ के इनसे संसार में कोई दौलत नहीं होती
और सब मिलजुल कर रहें और मिले सबका साथ और प्यार
तो बन जाता है खुशहाल परिवार।

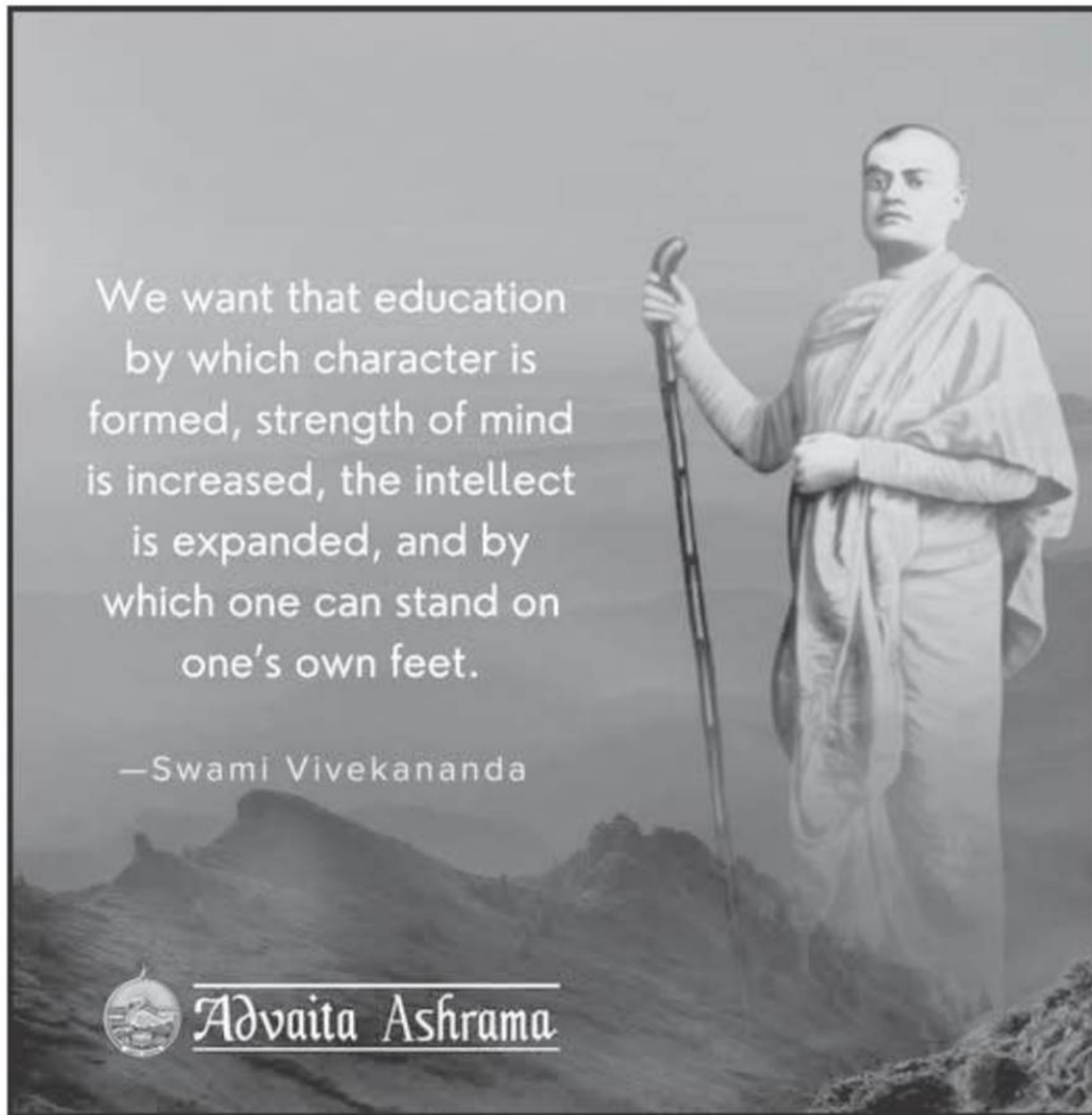
लेखिका : गरिमा देवेदा

कक्षा: बी.ए. 3rd वर्ष

रोल नंबर : 1231046029

INDEX

Tital Name	Writer	Page
Editorial	Ms. Meenu	12
Environmental Pollution	Kajal	13
Importance of Water in Our Daily...	Ritu	14
Importance of Education	Sheetal	14
Value of Discipline in Student Life	Pooja	15
Crime Against Women	Deepika	15
School Life : Fun, Friends and Learning	Diksha	16
Unemployment	Monika	16





EDITORIAL

Dear Students

It gives me immense pleasure to present the first issue of the college magazine 'SRIJAN'. College magazine is not just a conglomeration of articles but it reflects the ideas, opinions, creativity and goals of any academic institution. College students are supposed to have reached an advanced stage in their lives. Hence, they are obliged to be aware and considerate not just in their personal lives but public as well. They are not just passive learners. They have the capacity to bring positive change in society. Students, through their active learning and participation, can be the torchbearers of great societal change. This magazine is a great space in this regard as students can express their views through it. It is a platform which brings students from different backgrounds together and works as a true catalyst for change and progress. This seemingly small effort will go a long way to motivate students to be true learners and demonstrate their abilities through the magazine.

I urge the students to make the most of this opportunity and contribute to this magazine. I also wish you all great success in life.

- Ms. Meenu

Assistant Professor
Department of English

Environmental Pollution

Environmental pollution is one of the most serious challenges facing the modern world. It refers to the contamination of air, water, and land by harmful substances that disturb the natural balance of the environment and adversely affect living organisms. Rapid industrialization, urbanization, population growth, and irresponsible human activities have significantly increased pollution levels, making it a global concern.

Air pollution is perhaps the most visible form of environmental pollution. Smoke from factories, emissions from vehicles, burning of fossil fuels, and construction activities release harmful gases such as carbon dioxide, sulfur dioxide, and nitrogen oxides into the atmosphere. These pollutants not only cause respiratory diseases like asthma and bronchitis but also contribute to global warming and climate change. Smog in large cities is a clear example of how human activities can severely degrade air quality.

Water pollution is another major environmental issue. Industrial waste, sewage, agricultural chemicals, and plastic waste are often dumped into rivers, lakes, and oceans. This contaminates drinking water resources and harms aquatic life. Polluted water spreads diseases such as cholera, typhoid, and dysentery, especially in developing countries where clean drinking water is already limited. Marine ecosystems are also suffering because of oil spills and the increasing accumulation of plastic waste in oceans.

Land or soil pollution occurs when harmful chemicals, pesticides, fertilizers, and non-biodegradable wastes are dumped on land. Excessive use of chemical fertilizers in agriculture reduces soil fertility over time. Plastic bags, electronic waste, and other non-decomposable materials remain in the soil for many years, damaging ecosystems and

affecting plant growth. Improper waste management in cities has made land pollution a serious problem. Noise pollution is another form that is often ignored but has harmful effects on human health. Continuous exposure to loud sounds from traffic, construction work, and industrial machinery can lead to stress, hearing problems, and sleep disturbances. In big cities, noise pollution has become a daily challenge for residents. Environmental pollution not only affects human being but also threatens wildlife and natural ecosystems. Many species of plants and animals are becoming extinct because of habitat destruction, polluted environments, and climate change. If pollution continues at the current rate, the future of the planet may become unsafe for coming generations. To control environmental pollution, both government and individuals must take responsibility. Governments should enforce strict environmental laws, regulate industrial emissions, promote renewable energy sources, and develop proper waste-management systems. At the individual level, people can contribute by reducing the use of plastic, conserving water and electricity, using public transport, planting trees, and spreading awareness about environmental protection.

In conclusion, environmental pollution is a serious global problem that demands immediate attention. Protecting the environment is not only the duty of governments but also the responsibility of every citizen. By adopting eco-friendly practices and working together, we can reduce pollution and ensure a cleaner, healthier, and more sustainable world for future generations.

- **Kajal**

Class:- B.A - Ist year
Roll No:- 1251046001

Importance of Water in Our Daily Life

Water is the most precious natural resource on Earth and the foundation of all forms of life. From the smallest microorganisms to the largest animals and plants, every living being depends on water for survival. Human life, civilization, culture, agriculture and economic development have all grown around the availability of water. Without water, life as we know it would not be possible. Therefore, understanding the importance of water in our daily life is essential.

First of all, water is vital for the survival of the human body. About 70 percent of the human body is made up of water. It helps in digestion, absorption of nutrients, circulation of blood, regulation of body temperature, and removal of waste through urine and sweat. Drinking enough clean water keeps our organs healthy, improves concentration, and prevents dehydration and many diseases. Without water, the human body can survive only for a few days, which clearly shows how important it is for life. Secondly, water plays a key role in agriculture, which is the backbone of many countries, including India. Crops need water for germination, growth, and production. Irrigation systems depend entirely on rivers, canals, rainfall and ground water. If water supply becomes irregular or insufficient, it leads to droughts, crop failure, food shortage, and economic problem. Thus, water ensures food security and supports rural livelihoods. Water is also extremely important for domestic purposes. In our daily life, we use water for drinking, cooking, bathing, washing clothes, cleaning houses, and maintaining hygiene. Clean water is necessary to prevent the spread of diseases such as cholera, typhoid, and diarrhea.

Proper sanitation and availability of safe drinking water improve the quality of life and public health. Without adequate water, daily life becomes difficult and unhealthy.

Despite its importance, water is a limited resource and is being misused and wasted at an alarming rate. Rapid population growth, urbanization, industrial pollution, deforestation and climate change have increased water scarcity in many parts of the world. Many rivers are polluted, groundwater levels are falling, and clean drinking water is becoming scarce. If this situation continues, future generations may face serious water crises.

In conclusion, water is life. It is essential for health, food production, economic growth and environmental balance. Every drop of water is valuable, and it is our moral duty to conserve and protect this precious resource. By saving water today, we can ensure a healthy, secure, and sustainable future for tomorrow.

- Ritu

Class:- B.A. 1st year

Roll No:- 1251046005

IMPORTANCE OF EDUCATION

Introduction

Education is the foundation of human development. It is the key that unlocks the door to freedom, knowledge, and progress. A well-educated person can think critically, make informed decisions, and contribute positively to society.

Without education, both personal and national growth remain incomplete.

Why Education is important

- Personal growth: Education helps us to develop our personality, confidence, and moral values.
- Social awareness: It teaches us about our rights, duties, and the importance of equality.
- Economic development: An educated population contributes to the nation's progress and innovation.
- Employment opportunities: Education opens doors to better career and job prospects.
- Empowerment: It gives individuals the power to make their own choices and lead an independent life.

Famous Quotes

"Education is the most powerful weapon which you can use to change the world." Nelson Mandela

"The function of education is to teach one to think intensively and to think critically." Martin Luther King Jr.

Conclusion

Education is not just about learning facts; it's about gaining wisdom to live a meaningful and responsible life. It builds character, enhances creativity, and leads the world towards peace and prosperity. Every Child deserves the light of education - because through education, we shape the future of humanity.

- Sheetal

Class: B.A. 2nd year

Roll no.: 1241046004

Value of Discipline in Student Life

Discipline is one of the most important qualities in a student's life. It means following rules, maintaining self-control, and behaving in an orderly manner. Discipline helps student shape their character and prepares them to face the challenge of life with confidence. Without discipline, talent and intelligence alone cannot lead a student toward success.

Student life is the foundation period of human life. Whatever habits a student develops during this stage often stay with them throughout life. Discipline teaches students punctuality, responsibility, and respect for others. A disciplined student follows a proper routine, attends classes regularly, completes homework on time, and prepares sincerely for examinations. Such habits help students achieve academic excellence and personal growth.

Discipline plays a vital role in maintaining focus and concentration. In today's world, students are surrounded by distractions such as mobile phones, social media, and entertainment. Discipline helps students control these distractions and use their time wisely. A disciplined student knows when to study, when to rest, and when to take part in recreational activities. This balance is essential for both mental and physical well-being.

Moreover, discipline builds self-confidence and self-respect. When students follow rules and achieve their goals through hard work, they feel confident about their abilities. Discipline also teaches students to accept failure gracefully and learn from their mistakes instead of feeling discouraged. This positive attitude is very important for long-term success.

Discipline is not limited to academic life alone. It also helps students develop moral values such as honesty, obedience and respect. Schools and Colleges play a significant role in teaching discipline through rules, codes of conduct, and extracurricular activities. However, true discipline comes from within. Self-discipline enables students to do the right thing even when no one is watching them.

In conclusion, discipline is the backbone of student life. It helps students build strong character, achieve their goals, and become responsible individuals. Discipline turns ordinary students into successful and respected citizens. Therefore, every student should understand the value of discipline and practice it sincerely in daily life, as it is the true path to successful happiness.

- Pooja

Class = BA Ist year

Roll No. = 1251046007

Crime Against Women

Women are the strength and pride of every nation. They give birth to life, they build families, and they make the world more beautiful. But even today, many women are forced to live in fear — of violence, harassment, and injustice.

It's painful that in a modern society, women still face crimes like domestic violence, acid attacks and rape. These are not just crimes against women — they are crimes against humanity.

Real change will come only when we, as a society, learn to respect every woman from our hearts. Education can open minds, but awareness and empathy can heal hearts. Let us take a stand. Not just to protect women, but to honour them.

A world where women are safe is a world full of light, hope and equality. Let's promise ourselves to make that world real.

"Respecting women is the first step towards a better world"

- Deepika

B.A. 2nd Year

1241046021

School Life: Fun, Friends and Learning

School life is one of the best parts of childhood. It filled our days with excitement, new discoveries, and endless joy. Every morning, we wake up early, even before the sun rose fully. We brush our teeth, pack our bags with books and lunch boxes, and slipped into our crisp school uniforms. The blue shirt and grey pants felt special, like we were ready for an adventure. Then, we rush to the school bus or walk with siblings, chatting about what fun we'll have.

As soon as we reached school, the big gate welcomed us with smiles from the guard uncle. We greeted our friends with high-fives and run to the assembly ground. The principal used to greet with good morning, and we would all stand straight, singing the national anthem. The school bell rang loudly – ding-dong! – and classes would begin. Our first period was usually prayer or a fun activity. Then came the subjects: math with numbers and puzzles, science with amazing experiments like mixing colors or watching plants grow, English with stories and poems, and history about kings, queens, and brave freedom fighters.

Teachers were like superheroes. They explained tough topics in simple ways. For math, they used real-life examples like dividing candies among friends. In science, we did hands-on activities, such as making a simple volcano with baking soda and vinegar – it erupted with foam! Sometimes lessons felt hard, like memorizing dates in history or solving long equations, but teachers made them fun with games, quizzes and group work.

The magic of Friends and Recess—

The best things about school is making friends. From the first day in kindergarten, we found our best buddies. During recess, the playground turned into a wonderland. The bell rang at 10:30 AM and everyone dashes out like rockets. We play football on the dusty ground, kicking the ball with all our might.

Exams are the tough part. Two weeks before, we studied hard making charts and revising notes. Stomachs felt like butterflies, but after writing papers, we felt free! Getting results and seeing good marks was like winning a trophy.

School life is a treasure box of memories that

shapes who we become. It teaches dreams, friendship and courage, leaving behind laughter lessons and love we carry forever.

- Diksha

Class:- B.A. 1st year

Roll no. : 1251046011

UNEMPLOYMENT

A Silent Storm in Society.

Unemployment means the situation when people who are willing to work do not get any job. It is one of the most serious challenges faced by nations across the world today. When people are jobless, they loss their income, confidence, and hope for a better life.

In a developing country like India, unemployment takes various forms - educated unemployment, seasonal unemployment, disguised unemployment, and underemployment. Every year, thousands of graduates step out of universities full of dreams, only to find that there are not enough jobs waiting for them. This growing gap between education and employment has become a major concern.

The reasons for unemployment are many - rapid population growth, lack of industrial development, limited job opportunities in rural areas, and technological advancement that reduces the need for human labour. Modern machines have replaced manpower in several sectors. It affects both individuals and the nation. It leads to poverty, crime, and frustration among people. It weakens the economy and slows down the nation's progress.

Unemployment is not just an economic issue - it's a social and emotional challenge. If every citizen gets a fair chance to work and grow, our nation can rise like the morning sun - bright, strong and full of hope.

Employment is not just a need. It's dignity. Let's build a nation where every hand finds work and every dream find wings.

- Monika

B.A. 2nd Year

Roll No. : 1241046027



**Government College
Mangali, Hisar**



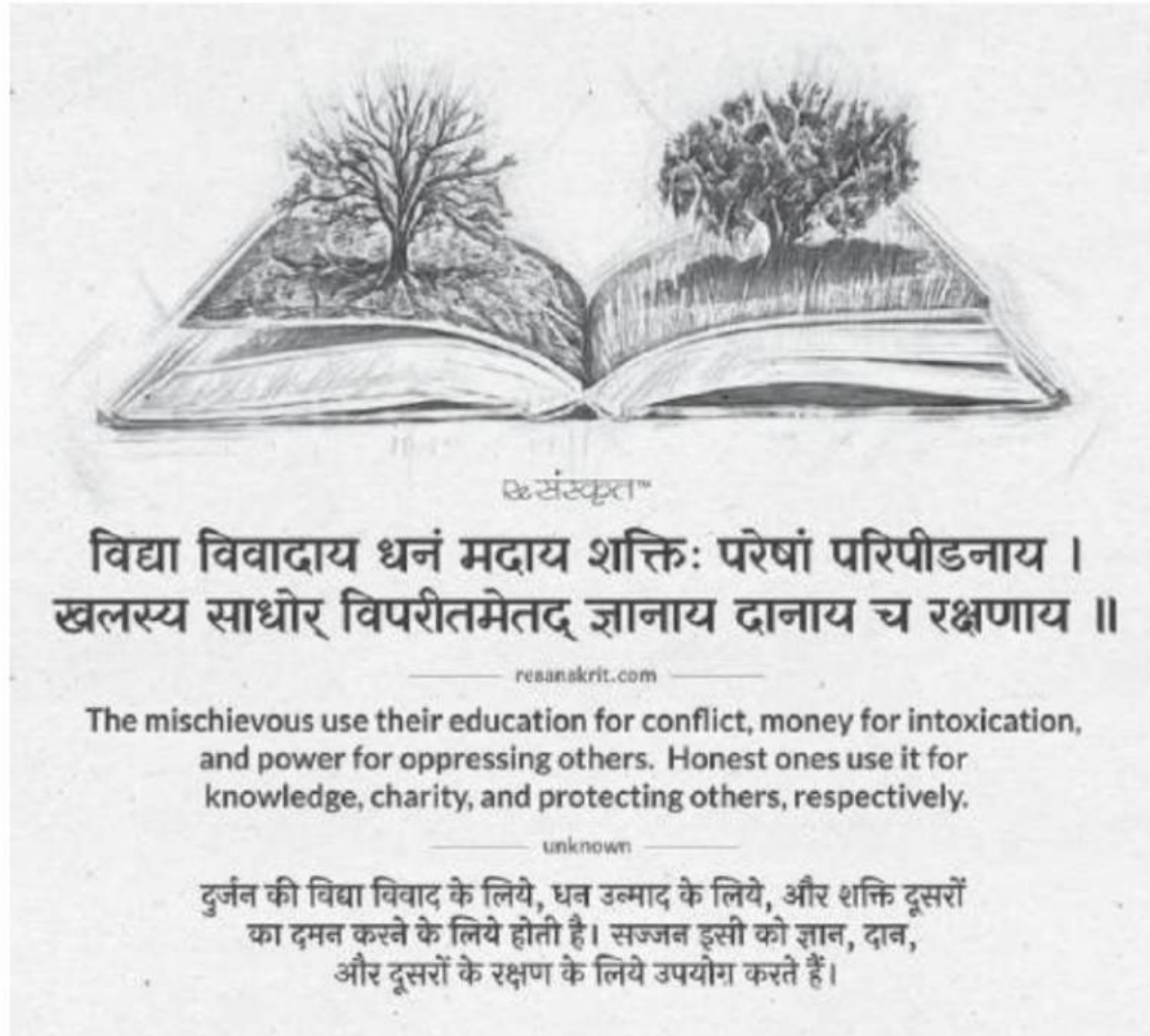
सम्पादक

डॉ. दयानंद आर्य

सहायक प्रोफेसर
संस्कृत विभाग

INDEX

शीर्षक	लेखक	पेज संख्या
सम्पादकीयम्	डॉ. दयानन्द आर्य	19
जयतु संस्कृतम्	हर्षित	20
मिलित्वा चलामः	नीलम	20
नमामो भारतं वरदम्	ज्योति	20
पर्यावरणरक्षणम्	प्रीति	20
दुराचारिणु दण्डं धर्म विदुर्बुधः	ओमप्रकाश	21
स्वच्छता	सरीना	21
पितामही	ईशा रानी	21
प्रहेलिकाः	धीरज	21
हास्य - कणिका :	रवि	22
को नाम धर्मः	कशिका	22





सम्पादकीयम्

मम महाविद्यालयो वर्धताम्

बाला यत्र सुकोमलाः सुललिता मुग्धा मनोहारिणो
मर्मज्ञा मृदुलाः कलासु कुशलाः प्राध्यापका राजिताः।
स्निग्धान्ता इतरे स्वकर्मनिरता यस्मिन् समे कर्मिणो
मंगालीधरणीमणिः स हि महाविद्यालयो दीप्यताम्॥1

(जिस महाविद्यालय के विद्यार्थी बड़े कोमल, बड़े सुंदर, भोले-भाले और मनोहारी हैं। जहां प्राध्यापक मर्मज्ञ, सरल, कलाओं में कुशल हैं। जहां अन्य सारे कर्मचारी स्नेहपूर्ण तथा अपने कार्यों में लीन रहते हैं, वह मंगाली गाँव की धरती की मणि के समान महाविद्यालय सदा चमकता रहे।)

षष्ठं यः सुभगो ऽधुना स्ववयसः सोपानमारोहति
कीर्तिर्यस्य शनैः शनैः प्रतिदिशं विस्तारमेति शुभा।
हृद्यस्वीयसुवासतो बहुतरानाकर्षते यो जनान्
मंगालीधरणीमणिः स हि महाविद्यालयो द्योतताम्॥

(जो सौभाग्यशाली महाविद्यालय अपनी उम्र के छठे सोपान पर चढ़ रहा है, जिसकी शुभ कीर्ति धीरे-धीरे सभी दिशाओं में फैल रही है, जो अपनी हृदय हरने वाली सुगंध से अनेक लोगों को आकर्षित कर रहा है, वह मंगाली गाँव की धरती की मणि के समान महाविद्यालय सदा चमकता रहे।)

याचेऽहं जगदीश्वरं वरमिमं संयोज्य हस्तावुभौ
सर्वेषामिहवासिनामनुदिनं स्नेहो मिथश्चीयताम्।
शिक्षाया अयमालयोऽथ शरणं नोऽयं भुवि भ्राजतां
मंगालीधरणीमणिर्मम महाविद्यालयो वर्धताम्॥

(मैं दोनों हाथ जोड़कर जगदीश्वर से यह वर मांगता हूँ कि यहां रहने वाले सभी लोगों का आपसी प्रेम प्रतिदिन बढ़ता जाए। यह शिक्षा का आलय, यह हमारी शरणभूमि पृथ्वी पर सुशोभित हो। मंगाली गाँव की धरती की मणि के समान मेरा महाविद्यालय सदा उन्नति करे।)

- डॉ. दयानंद आर्य
सहायक प्रोफेसर
संस्कृत विभाग

जयतु संस्कृतम्

वेदेश्वरस्य या भाषा, या च विज्ञैः प्रशंस्यते।
रमन्ते कवयो यस्यां, वन्दे संस्कृतमातरम्॥

इयमस्माकं संस्कृतभाषा, यस्यां सत्यामेव वेदाः, उपनिषदः,
दर्शनानि च सत्तां लभन्ते; यस्याः अस्तित्वे एवं रामायणम्, महाभारतम्
इतीदृशं विपुलसाहित्यम् अस्तित्वं प्राप्नोति; यस्याः प्राणधारणे एव
वैदिकता, भारतीयता, आर्षशिक्षाप्रणाली च प्राणान् धारयन्ति । इयमेव
भाषा सत्यासत्यं विवेचयति, कत्तव्याकर्तव्यं बोधयति, धर्माधर्मम्
उपदिशति, विद्याविद्यां संदिशति, अभ्युदयं निःश्रेयसं च साधयति।
संस्कृतं न केवलं भाषा, अपितु अस्मदीयं जीवनदर्शनमस्ति।

संस्कृतम् उद् बोधयति-

आत्मा वारे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासितव्यः।

संस्कृतम् उपदिशति-

अनुव्रतः पितुः पुत्रो, मात्रा भवतु संमनाः।

जाया पत्ये मधुमतीं वाचं वदतु शान्तिवाम्॥

संस्कृतं जीवनदृष्टिं ददाति -

" मित्रस्य चक्षुषा समीक्षामहे "

संस्कृतं संसेव्य चलं चित्तं सत्त्वसिन्धौ निमज्जति, संस्कृतपीयूषं निपीय हृदयं
परं सन्तोषं भजते।

पठतु संस्कृतम्। जयतु संस्कृतम्।

- हर्षित

बी.ए. तृतीयवर्ष

अनुक्रमांक- 1231046012

मिलित्वा चलामः

मनसि ये स्वप्नाः,
बुद्धौ याः कल्पनाः,
तत् सर्वं सत्यं कर्तुम्,
तत्सकलं साकारं कर्तुम्,
सर्वे वयं मिलित्वा चलामः।
नवमेकम् इतिवृत्तं लिखामः॥

दीपकं प्रज्वाल्य ज्ञानस्य
तमः विनाश्य अज्ञानस्य
सफलताशिखरं गन्तुं
प्राप्यं च निखिलं प्राप्तुं
सर्वे वयं मिलित्वा चलामः।
नवमेकम् इतिवृत्तं लिखामः॥

- नीलम

बी.ए. प्रथमवर्ष

अनुक्रमांक- 1251046022

नमामो भारतं वरदम्

सकल विद्या कलाकलितम्, सदा सुखदं सदा ललितम्
शुभं सुरभारतीकुसुमम्, स्वयं यत्प्रांगणे फलितम्।
नमामो भारतं वरदम्॥

इयं यतियोगिनां धरणी, इयं भवतारिका तरणी
विहायेमां दिवः सरणीं, किमन्यत् सेव्यते शरणम्।
नमामो भारतं वरदम्॥

त्वदंके पाठनं पठनं त्वदंके खेलनं हसनम्
भवेन्मम मातृभूः! वरदे! त्वदंके जीवनं मरणम्।
नमामो भारतं वरदम्॥



- ज्योति

बी.ए. द्वितीय वर्ष

अनुक्रमांक- 1241046040

पर्यावरणरक्षणम्

मनसा कुरु भोः पर्यावरणरक्षणम्

त्यज मोहम् सुविधायाः

कुरु तादृशाः उपायाः

विद्यालयेषु प्राथमिकी कक्षा पर्यावरणस्य स्यात्

सर्वत्र सर्वप्रथमं रक्षा पर्यावरणस्य स्यात्

व्यक्तिगतवाहनानां प्रयोगः न्यूनतमः

सार्वजनिकवाहनानामुपयोगः अधिकतमः

क्षिप अवकरं अवकरपात्रेषु

स्वच्छता स्यात् ग्राम - नगरेषु

प्लास्टिकस्यूतं त्यज अद्यैव

वस्त्रस्यूतं स्वीकुरु सदैव

जन्मदिने वृक्षम् आरोपय

सर्वान् प्रकृतिरक्षणाय प्रेरय

इदं मे शरणम् इदं ते शरणम्

रक्ष मित्र पर्यावरणम्

- प्रीति

बी.ए. प्रथमवर्ष

अनुक्रमांक- 1251046026



दुराचारिषु दण्डं धर्मं विदुर्बुधाः

यद्यपि समस्तसमस्यानां सकलविपदानां च अन्तिमसमाधानाय शिक्षायाः प्रसारः करणीयः, नैतिकतायाः प्रचारः करणीयः; परन्तु आतंकसंकुले काले, दुराचारमये समये, भ्रष्टाचारचिते वातावरणे च शान्त्याः भव्यं भवनं कठोरदण्डव्यवस्थायाः

आधारे एव आधृतं भवितुमर्हति। यथोक्तम्-

दण्डः शास्ति प्रजाः सर्वा दण्ड एवाभिरक्षति।

दण्डः सुप्तेषु जागर्ति दण्डं धर्मं विदुर्बुधाः॥

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचन्द्रस्य राज्ये अपराधिनः आगामिसूर्यमपि न पश्यन्ति स्म, तस्मादेव कारणात् अद्यापि जनानां मानसपटले अंकितमस्ति - रामराज्यम्।

यथा लौहमेव लौहं कृन्तति, तथा कुशलदृढदण्डव्यवस्थायाः आतंकः एव दुराचारिणाम् आतंकवादिनां च आतंकं नाशयितुं प्रभवति।

- ओमप्रकाश

बी.ए. प्रथम वर्ष

अनुक्रमांक- 1251046043

पितामही

पितामह्याः स्मरामो वयं

साऽस्मान् बहु आनन्दयति स्म

यदा न भवति स्म गृहे कोऽपि

तदा पितामही एव क्रीडति स्म अस्माभिः सह

प्रातः सा अस्मान्

आंगनबाड़ीं नयति स्म

ततः सम्पूर्णमध्याह्नकालं

सा अस्माभिः सह व्यतियाति स्म

पयोहिमविक्रेता यदा आयाति स्म

तत्र सा अस्मान् नयति स्म

विद्यालयदिवसेषु अस्मान् सैव प्रापयति स्म

ततो वयं नगरम् आयाताः

पितामही ग्रामे एव संस्थिता

क्रमशः सा निर्बलतां याता

ततः वेदना जाता चरणे

काठिन्यं चापि सञ्चरणे

निम्बतरुतले आसीना सा

कालयापनं कुर्वाणा सा

दिने दिने सा दीना जाता

पुनः पितामही खट्वामायाता

रोगाः नैके देहं प्राप्ताः

ततः सर्वस्मात् पराङ्मुखा सा

रुदत्सु अस्मासु दिवंगता सा।



- ईशा रानी

बी.ए. तृतीयवर्ष

अनुक्रमांक- 1231046057

स्वच्छता

स्वच्छता मानवजीवने अत्यन्तं महत्त्वपूर्णा अस्ति। स्वच्छता नाम शुद्धता। या शुद्धता शरीरस्य, मनसः, गृहस्य, विद्यालयस्य, समाजस्य च भवति। स्वच्छतायाः पालनं कृत्वा मनुष्यः स्वस्थः, सुखी च भवति।

अस्वच्छता रोगाणां जननी भवति। अस्वच्छपरिसरे विविधाः रोगाः उत्पद्यन्ते। अतः सर्वैः जनैः स्वच्छतायाः नियमाः अवश्यमेव पालनीयाः। प्रतिदिनं स्नानं करणीयं, शुद्धवस्त्राणि धारणीयानि, हस्तौ भोजनात् पूर्व शोधनौ करणीयौ।

गृहं, विद्यालयः, मार्गाः, सार्वजनिकस्थानानि च स्वच्छानि करणीयानि। अपशिष्टवस्तूनि कुत्रापि न क्षेपणीयानि। तानि पात्रेषु एव निक्षेपणीयानि। स्वच्छपर्यावरणेन जीवनं सुखमयं भवति।

अधुना भारतदेशे “स्वच्छभारत अभियानम्” इति महत्त्वपूर्णः कार्यक्रमः प्रवर्तते। अस्य उद्देश्यं देशस्य सर्वतोमुखी स्वच्छता अस्ति। अस्माभिः सर्वैः मिलित्वा अस्य अभियानस्य सफलतायै प्रयासः करणीयः।

अतः स्वच्छता न केवलं व्यक्तिगतं कर्तव्यम्, अपि तु सामाजिकं राष्ट्रियं च कर्तव्यम् अस्ति। स्वच्छता आरोग्यस्य मूलं, सुखस्य कारणं, जीवनस्य भूषणं च अस्ति। उक्तं च-

स्वच्छता परमो धर्मः, स्वास्थ्यस्य च रक्षिका।

स्वच्छे गृहे च देशे च, वसन्ति सुखसम्पदः॥

- सरीना

बी.ए. द्वितीयवर्ष

अनुक्रमांक- 1241046035

प्रहेलिकाः

(1)

किं तद्वस्तु,

यत् वयं खादितुं क्रीणीमः,

परन्तु न कदापि खादामः ?

उत्तरम् - स्थालिका।

(2)

किं तत् यत् भवतः समीपे तिष्ठति,

परन्तु अन्ये जनाः भवतः अधिकं तस्य प्रयोगं कुर्वन्ति ?

उत्तरम्- नाम।

(3)

दिने शेते रात्रौ जागर्ति

विना पादाभ्यां सुदूरं धावति ?

उत्तरम् - चन्द्रिका।

(4)

किं तत् यत्र 100 जनाः गच्छन्ति,

परन्तु 101 जनाः प्रत्यावर्तन्ते ?

उत्तरम् - वर-यात्रा।

- धीरज

बी.ए. तृतीयवर्ष

अनुक्रमांक- 1231046116

हास्य-कणिका:

(1)

प्रथममित्रम् -विगतमासे मम दुर्घटना जाता, परन्तु त्वं मिलितुं न आगतः ?
द्वितीय मित्रम् -अहो अहं विस्मृतवान्, आगामिनि अवसरे अवश्यम्
आगमिष्यामि।

(2)

चिकित्सकः - त्वं शीघ्रमेव स्वपरिवारजनान् मिलितुम् शक्नोषि।
रुग्णः - परन्तु महोदय, मम परिवारजनाः तु सर्वे दिवंगताः ।
चिकित्सकः - तस्मादेव कथयामि।

(3)

एकस्याः मक्षिकायाः विवाहः मशकेन सह संजातः। अन्येद्युः मक्षिका बहु
अरोदीत्। मक्षिकायाः भगिनी कारणम् अपृच्छत्।
मक्षिका अवदत् - मया रात्रौ शुभरात्रियन्त्रम् (गुडनाइट) संचालितम् ते
आवुत्तः दिवंगतः।

(4)

गृहाभ्यन्तरे ध्वनिः आगतः यत् "400रुप्यकाणि प्रदाय आजीवनं उपविश्य
खादन्तु"
बहिरागत्य दृष्टं यत् धूर्तः कुर्सिकां विक्रीणाति स्म।

- रवि

बी.ए. तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक- 1231046119

को नाम धर्मः

किमपि लिंगं धर्मकारणं न भवति। धर्मस्य सारांशः शास्त्रेषु निगदितम्-यदाचरणं वयं
स्वस्य कृते न इच्छामः तदाचरणं परैः सह न कर्तव्यम् -

“आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत्।”

धर्मशब्दस्य अर्थः सम्प्रदाय विशेषम्, मान्यता विशेषम् वा न संकेतयति धर्मस्य
तात्पर्यमस्ति सा उन्नतजीवनदृष्टिः यां स्वीकृत्य एव मानवतायाः सम्यक् बौद्धिकः,
मानसिकः, सामाजिकः, आत्मिकश्च विकासः सम्भवेत् स धर्मः। धर्मस्य दश
लक्षणानि शास्त्रेषु विहितानि सन्ति, येषु सत्सु एवं कोऽपि जनः धार्मिकः वक्तुं शक्यः

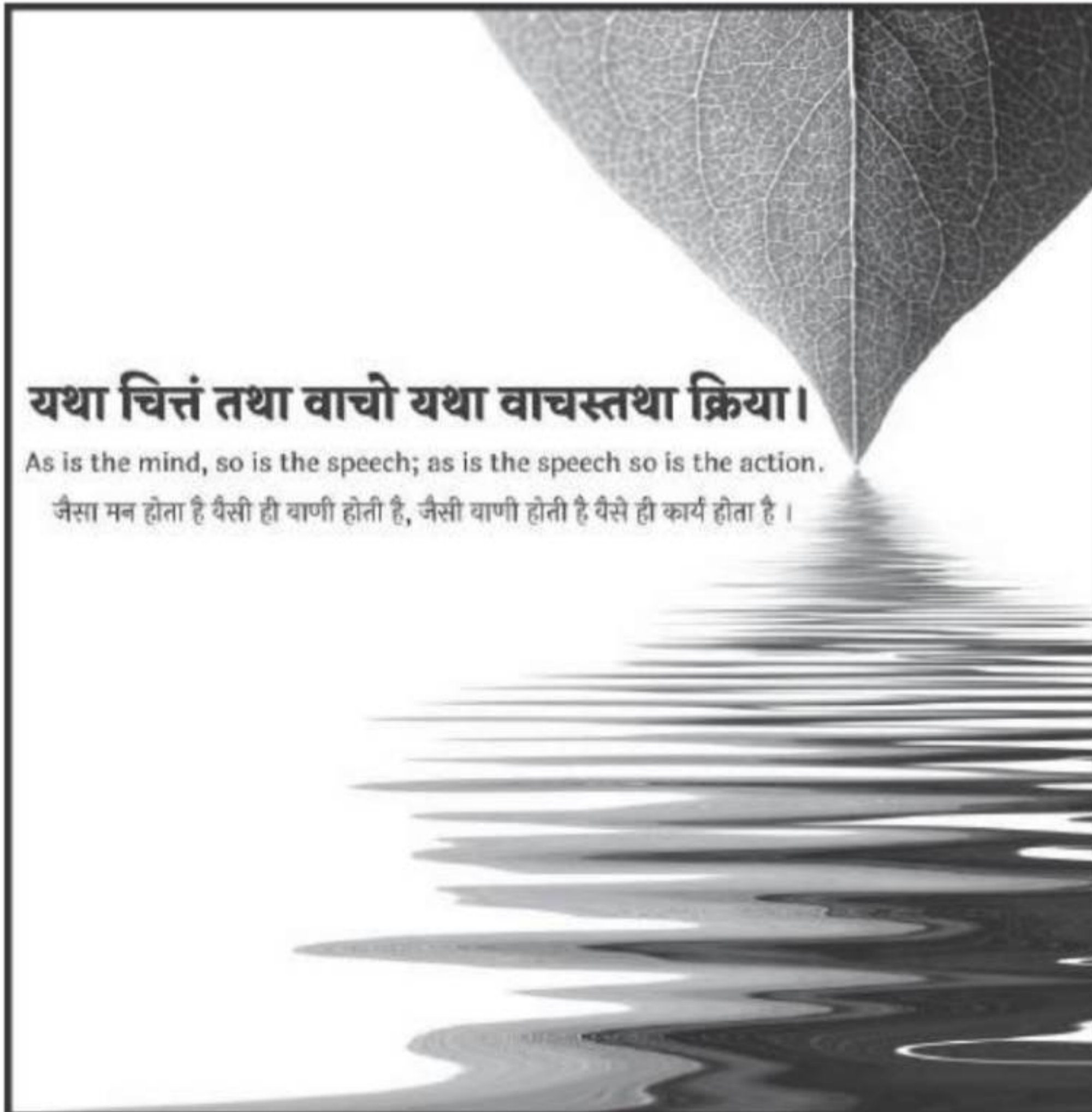
धृतिः क्षमा दमोऽस्तेयं शौचमिन्द्रियनिग्रहः।
धीर्विद्या सत्यमक्रोधो, दशकं धर्मलक्षणम् ॥

1. धृतिः - विषम परिस्थितिषु अपि धैर्यधारणम् ।
2. क्षमा- सहनशीलता ।
3. दमः- मनसि वासनासु च नियन्त्रणम् ।
4. अस्तेयम्-अन्यस्य धने अस्पृहा ।
5. शौचः- मनसि वचसि, काये च स्वच्छता।
6. इन्द्रियनिग्रहः - इन्द्रियाणां वशीकरणम् ।
7. धीः- विवेकः।
8. विद्या- यथार्थ ज्ञान प्राप्तिः।
9. सत्यम्- सत्याचरणम्।
10. अक्रोधः- क्रोधत्यागः।

- कशिका

बी.ए. तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक- 1231046109



यथा चित्तं तथा वाचो यथा वाचस्तथा क्रिया।

As is the mind, so is the speech; as is the speech so is the action.

जैसा मन होता है वैसी ही वाणी होती है, जैसी वाणी होती है वैसी ही कार्य होता है।



**Government College
Mangali, Hisar**

SCIENCE SECTION



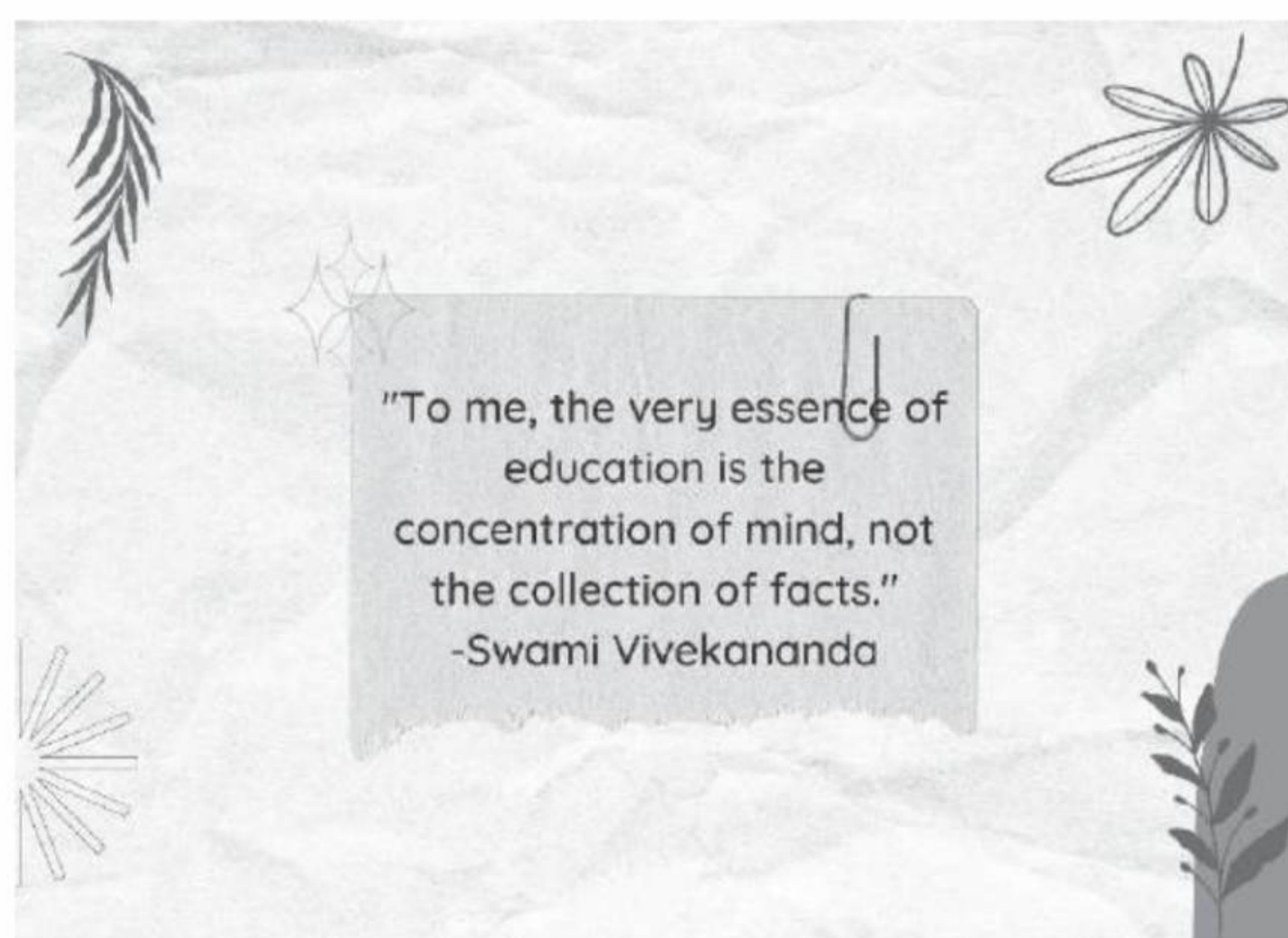
Editor

Dr. Meena Rani

**Assistant Professor
Department of Chemistry**

INDEX

Tital Name	Writer	Page
The Role of Artificial Intelligence...	Dr. Sudesh Rani	25
The Rise of Generative AI	Dr. Monika	26
Physics : Forces that move Everything	Dr. Manjeet	27
Environmental Pollution	Sanjay Kumar	28
Whispers in Green : The Untold	Kumari Sakshi	29
A Visit to Apiary	Dr. Vijayanti Jakhar	30
Invisible Microbial Guardians	Jyoti	31
Ek Zoology Student Ki Kahani	Muskan	32
Mosquito : The Tiny Terror Scientist	Ankita	32



The Role of Artificial Intelligence in Education

Transforming Learning, Empowering Teachers, Shaping Tomorrow



Artificial Intelligence (AI) has moved far beyond science fiction to become a powerful force reshaping our everyday lives—and education stands at the center of this transformation. From smart classrooms and personalized learning platforms to virtual tutors and automated assessments, AI is redefining how knowledge is delivered and received.

In today's digital age, education is no longer limited to chalkboards and textbooks. AI-driven tools are helping institutions create more engaging, inclusive, and effective learning environments. As students prepare for a rapidly changing world, AI is emerging as both a guide and a companion in their academic journey.

Understanding AI in Education

Artificial Intelligence refers to computer systems capable of performing tasks that normally require human intelligence, such as learning, reasoning, and decision-making. Over the years, AI has evolved into a practical technology used in classrooms, universities, and online learning platforms.

Modern AI tools, developed by organizations like OpenAI, can analyze student performance, generate learning materials, and provide instant feedback. These systems use data to understand how students learn, enabling education to become more responsive and student-centered.

"Artificial intelligence will not replace teachers, but teachers who use AI will replace those who don't."

Personalized Learning: One Student at a Time

Traditional classrooms often follow a uniform teaching approach, which may not suit every learner. AI changes this by enabling personalized education. Intelligent systems track individual progress and adapt lessons according to each student's strengths and weaknesses.

Platforms such as Khan Academy use AI-assisted features to recommend exercises, explain difficult concepts, and guide learners step by step. Fast learners can move ahead, while others receive extra practice where needed.

This personalized approach improves confidence, reduces learning gaps, and encourages students to take ownership of their education.

"Every student learns differently."

AI helps us teach differently."

Empowering Teachers Through Smart Tools

AI is also transforming the role of teachers. Automated grading systems, attendance tracking, and performance analytics save valuable time, allowing educators to focus more on mentoring and creative instruction.

AI-generated insights help teachers identify struggling students early and adjust lesson plans accordingly. Virtual teaching assistants answer routine questions, freeing teachers to concentrate on deeper learning and student engagement.

Rather than replacing educators, AI acts as a powerful classroom assistant—enhancing teaching effectiveness and

improving learning outcomes.

Making Education Inclusive and Accessible

One of AI's most meaningful contributions lies in accessibility. Speech-to-text tools assist hearing-impaired learners, while text-to-speech supports students with visual challenges or reading difficulties. Real-time translation tools help bridge language barriers in diverse classrooms.

Students in remote or underserved regions can access online resources, virtual tutors, and digital libraries, bringing quality education within reach.

"Education is the most powerful weapon which you can use to change the world."

AI helps place that weapon in more hands than ever before.

Through technology, learning becomes borderless - available anytime, anywhere.

Preparing Students for a Digital Future

As automation and data-driven technologies reshape industries, students must develop skills suited for tomorrow's workforce. AI exposure encourages learning in coding, data analysis, and critical thinking while strengthening creativity and adaptability.

By interacting with AI tools, students gain practical experience with emerging technologies and develop problem-solving abilities essential for future careers.

Educational institutions worldwide are now integrating AI concepts into curricula, ensuring learners are prepared for professions that may not yet exist.

Ethical Challenges and Responsible Use

Despite its advantages, AI also raises important concerns. Issues such as data privacy, algorithmic bias, and over-reliance on technology must be addressed carefully. Student information must remain secure, and AI systems should be fair and transparent.

Human values—empathy, creativity, and moral judgment—must always remain central to education. Technology should enhance learning, not replace human connection.

"Technology is best when it brings people together."

Responsible policies, digital literacy, and ethical awareness are essential to ensure AI benefits everyone equally.

Conclusion: A Shared Path Forward

Artificial Intelligence is reshaping education by personalizing learning, supporting teachers, and expanding access to knowledge. When used thoughtfully, AI can create smarter classrooms, confident learners, and empowered educators.

The future of education lies in collaboration between humans and machines—where teachers inspire, students explore, and AI supports every step of the journey.

By embracing AI responsibly today, we prepare a generation not just to use technology—but to lead with it tomorrow.

-Dr. Sudesh Rani

Asstt. Prof. (Computer Science)

The Rise of Generative AI :

Transforming the Future of Computing



In recent years, one of the most revolutionary developments in the field of computer science has been the emergence of Generative Artificial Intelligence (Generative AI). Tools like OpenAI's ChatGPT, Google's Gemini, and Microsoft's Copilot have demonstrated how machines can generate human-like text, images, code, and even music. Generative AI is not just a technological trend; it represents a paradigm shift in the way humans interact with computers.

Generative AI is based on advanced machine learning models, particularly large language models (LLMs) and deep neural networks. These models are trained on massive datasets and learn patterns, structures, and relationships within the data. Unlike traditional software that follows fixed instructions, generative AI systems can create new content by predicting and generating responses based on user input. This capability has opened new possibilities in education, healthcare, business, entertainment, and research.

In the field of education, generative AI acts as a personalized tutor. It can explain complex concepts, generate practice questions, summarize chapters, and assist students in research work. Teachers can use AI tools to prepare lesson plans, quizzes, and study materials efficiently. In programming and software development, AI-powered assistants help developers write, debug, and optimize code, thereby increasing productivity and reducing errors.

In business and industry, generative AI enhances customer service through intelligent chatbots, automates report writing, and supports data analysis. Content creators use AI to design graphics, compose music, and draft articles. In healthcare, AI assists in medical documentation, research analysis, and preliminary diagnostics support. These applications demonstrate how generative AI is becoming an integral part of modern digital infrastructure.

However, along with its benefits, generative AI also raises important ethical and social concerns. Issues such as data privacy, misinformation, copyright, and job displacement must be addressed carefully. There is a growing need for responsible AI development, transparent algorithms, and proper regulations to ensure that technology is used ethically and safely.

Looking ahead, generative AI will continue to evolve and integrate with emerging technologies such as cloud computing, cybersecurity, and the Internet of Things (IoT). As computers become more intelligent and interactive, the role of humans will shift from performing repetitive tasks to supervising, guiding, and creatively collaborating with machines.

In conclusion, generative AI marks a new era in computing. It is transforming industries, redefining digital interaction, and reshaping the future of work and education. While challenges exist, the responsible use of this technology can lead to innovation, efficiency, and inclusive growth. The rise of generative AI is not just the story of smarter machines – it is the story of a smarter future.

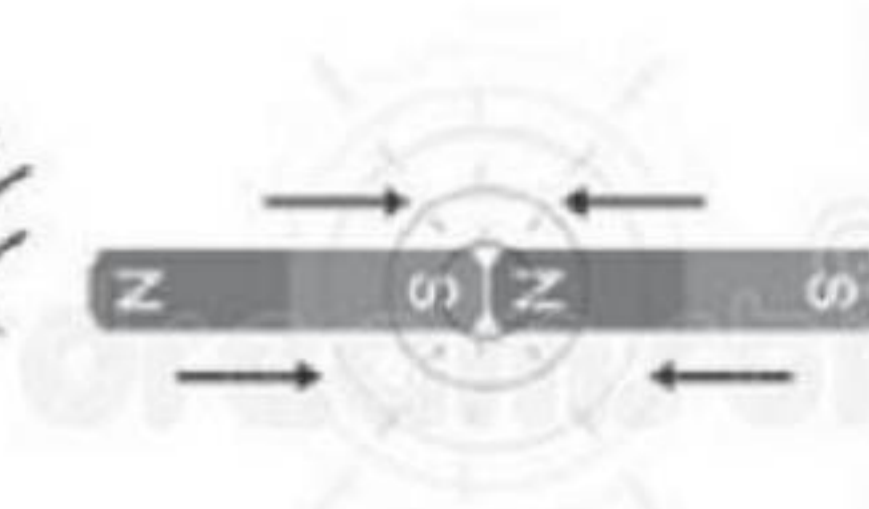
-Dr. Monika

Assistant Professor (Computer Science)

PHYSICS : FORCES THAT MOVE EVERYTHING



Gravity



Electro
magnetism



Strong
Force



Weak
Force



Have you ever wondered what makes the stars twinkle, the rivers flow, or the winds whisper through the trees? Physics holds the answers, though it speaks in a language of numbers and laws. But behind every formula is a story—dramatic, mysterious, and profoundly beautiful.

Imagine the universe as a grand stage. On this stage, forces are the invisible actors. Gravity, gentle yet relentless, pulls us down to Earth, keeping our feet firm and our oceans bound. Electromagnetism sparks the fire of life, guiding electrons through the tiny circuits of our world. And the strong and weak nuclear forces—silent, powerful—bind the heart of atoms, the building blocks of everything we see.

Every particle has a role in this cosmic ballet. Electrons whirl around nuclei like dancers around a partner, each step precise, yet free in their rhythm. Light bursts forth, racing across the cosmos, carrying stories of distant stars and galaxies—some so old that they reach us only after millions of years, whispering secrets of the universe's past.

Physics is not just about equations—it is about curiosity and wonder. It is the thrill of understanding how a falling apple tells the tale of the same force that governs the motion of planets. It is the awe of realizing that your own heartbeat, your breath, and your thoughts all obey the same rules that guide the stars.

So, let us not fear the complexity of physics. Instead, let us embrace its poetry. Let us marvel at the drama of the cosmos, the elegance of motion, and the hidden patterns that connect the tiniest atom to the grandest galaxy. For in every law, there is a story, and in every story, the heartbeat of the universe.

Physics is not just science. Physics is art, poetry, and the eternal dance of existence.

Dr. Manjeet

Asst. Professor (Physics)

Environmental Pollution



Pollution means presence of any unwanted substance in the nature. There are various types of pollutions depending upon the sources, types, nature and properties of pollutants . Environment protection act was introduced in 1986 . This article is concerned with management of various types of pollution by different case studies .

Case studies of air pollution –

Very interesting case of air pollution management in Delhi . In 1990, Delhi was ranked 4th most polluted metro city of world . People of Delhi filed a public litigation in supreme court of India regarding it . Supreme court censured it and directed the government to shift all the public transport of Delhi on CNG (Compressed Natural Gas), as this gas is a non polluting fuel, having good calorific value, cheaper than other fuel , cannot be adulterated and cannot be theft. This change has decreased the level of pollution , mainly sulphar and hydrocarbon level in Delhi .

Case of water Pollution Management-

Waste water including sewage is rich mainly in organic waste and small amount of inorganic chemicals or metals. The case study is the town of Arcata, situated in California area. The people of that town along with the biologists form the Humboldt University created an integrated waste water treatment process , the biologist developed a series of six connected marshes over sixty hectares of marshy area and sewage was discharged in this marshes , sewage was decomposed and plant in these marshy area absorbed metals and water was cleaned from organic waste and toxic metals . This also increased biodiversity in that marshy area .

Case of solid waste management-

A plastic sack manufacturer in Banglore, named as Ahmed Khan, realized the plastic waste was a problem . Polyblend , a powder of plastic was developed , it was mixed with the bitumen that was used to develop roads . It enhanced the bituman's water repellent properties and increased the life of roads . The cost of plastic wastes was increased due to its constant uses . Using this technique , by the year 2002 , more than 40km of road in Bangalore has been developed .

Case study of organic farming-

Integrated organic farming is a Zero waste process in farming . Ramesh Chand Dagar, a farmer in Sonipat , Haryana is doing it . He included bee keeping , dairy management, water harvesting , composting agriculture in a chain of process as agriculture was the source of nectar and pollen for honey bee , water harvested was used in agriculture and for dairy animals . Wastes was used to develop compost . It becomes a Zero waste agriculture and no dependence on chemicals in the agriculture .

-Sanjay Kumar

Assistant professor in Botany



Whispers in Green : The Untold Stories of Plants

In the quiet rhythm of rustling leaves and the stillness of shaded pathways, an extraordinary story unfolds. Plants may appear silent and motionless, yet their lives are filled with sub telecommunication, intelligent responses, and remarkable resilience. The green world around us is not merely a backdrop to human activity — it is a dynamic system that sustains

Modern botanical research has revealed that plants constantly sense their environment. They respond to light, gravity, moisture, temperature, and even chemical signals in the air. When insects attack a leaf, the plant releases airborne compounds that alert neighbouring plants to strengthen their defences. Beneath the soil exists an equally fascinating network formed by fungi that connect plant roots, allowing the exchange of nutrients and biochemical signals. Through this hidden system, plants can support one another during times of stress.

Certain species display striking adaptations. The Venus flytrap captures insects through a rapid snapping motion triggered by sensitive hairs. Tropical pitcher plants such as *Nepenthes* have evolved leaf structures that function as natural traps filled with digestive fluids. The sensitive plant, *Mimosa pudica*, folds its leaves instantly when touched, demonstrating that plant movement, though subtle, is very real.

Longevity further highlights the quiet strength of the plant kingdom. The bristlecone pine, *Pinus longaeva*, includes individuals that have survived for over four thousand years.

These whispers in green remind us that silence does not mean simplicity. Within every leaf lies sophistication, endurance, and the quiet intelligence that sustains our world.

-By Kumari Sakshi

Assistant Professor of Botany



A Visit to Apiary

Under Skill Enhancement Course – Apiculture (C24SEC131P) under Department of Zoology
Accompanying Teacher cum In-charge (SEC): Dr. Vijayanti Jakhar (Assistant Professor of Zoology)

No. of Students Visited: 16 Students

Visited Department: Department of Entomology, CCS HAU, Hisar

Head of Department: Dr. Sunita Yadav

Session Conducted by: Dr. Yogesh

Date of Visit: 04-10-2025

Government College Mangali, students enrolled under Department of Zoology in the Skill Enhancement Course (SEC) – Apiculture (C24SEC131P) visited the Apiary Unit at the Department of Entomology, CCS HAU, Hisar. The educational visit was conducted under the guidance of Dr. Vijayanti Jakhar, Assistant Professor of Zoology and In-charge of the SEC course, who accompanied the students throughout the visit.

-Dr. Vijayanti Jakhar
Assistant Professor of Zoology
G.C. Mangali



Dr. Sunita Yadav (HOD Entomology) & Dr. Yogesh Demonstrating Apiculture tools

Dr. Yogesh showing Frame of Bee Hive



Student holding the Frame of a Bee Hive



Dr. Vijayanti Jakhar holding the Frame with worker Bees, with brood



Invisible Microbial Guardians : Shaping Physical Health, Metabolic Harmony, and Mental Well Being.

When we hear the word “microbes,” we often think of germs that cause disease. But not all microbes are harmful. The human microbiome, comprising trillions of bacteria, viruses, fungi and parasites that call our bodies home, has emerged as a central player in health, reshaping how we think about disease, nutrition and ageing. These tiny invisible guardians play a vital role in maintaining our physical health, balancing metabolism, and even supporting our mental well-being.

More than Just Digestion

The gut is the home for the majority of our resident microbes, where they turn stubborn dietary fibres into usable nutrients, synthesise vital vitamins, and “school” our immune system to recognise allies and adversaries. Some even produce essential vitamins such as vitamin B and vitamin K. Beyond digestion, they strengthen our immune system by protecting us against harmful pathogens. A healthy microbiome acts like a protective barrier, preventing infections and supporting overall vitality.

Keeping Metabolism in Balance

Our microbial partners also influence how our body processes. They help regulate blood sugar levels and fat storage, contributing to metabolic balance. Research shows that beneficial bacteria produce substances like short-chain fatty acids, which reduce inflammation and promote better metabolic health. An imbalance in gut microbes, often caused by unhealthy eating habits, stress, or excessive antibiotic use, can disturb this harmony and increase the risk of lifestyle-related disorders.

The Gut–Brain Connection

One of the most fascinating discoveries in recent science is the connection between the gut and the brain, known as the gut–brain axis. Gut microbes influence the production of neurotransmitters such as serotonin, often called the “feel-good hormone.” This explains why gut health is increasingly linked to mood, stress levels, and mental clarity. Maintaining a healthy microbiome may therefore contribute to improved emotional well-being and cognitive performance.

Supporting Our Microbial Allies

Caring for our microbiome does not require complicated measures. Simple habits can make a significant difference:

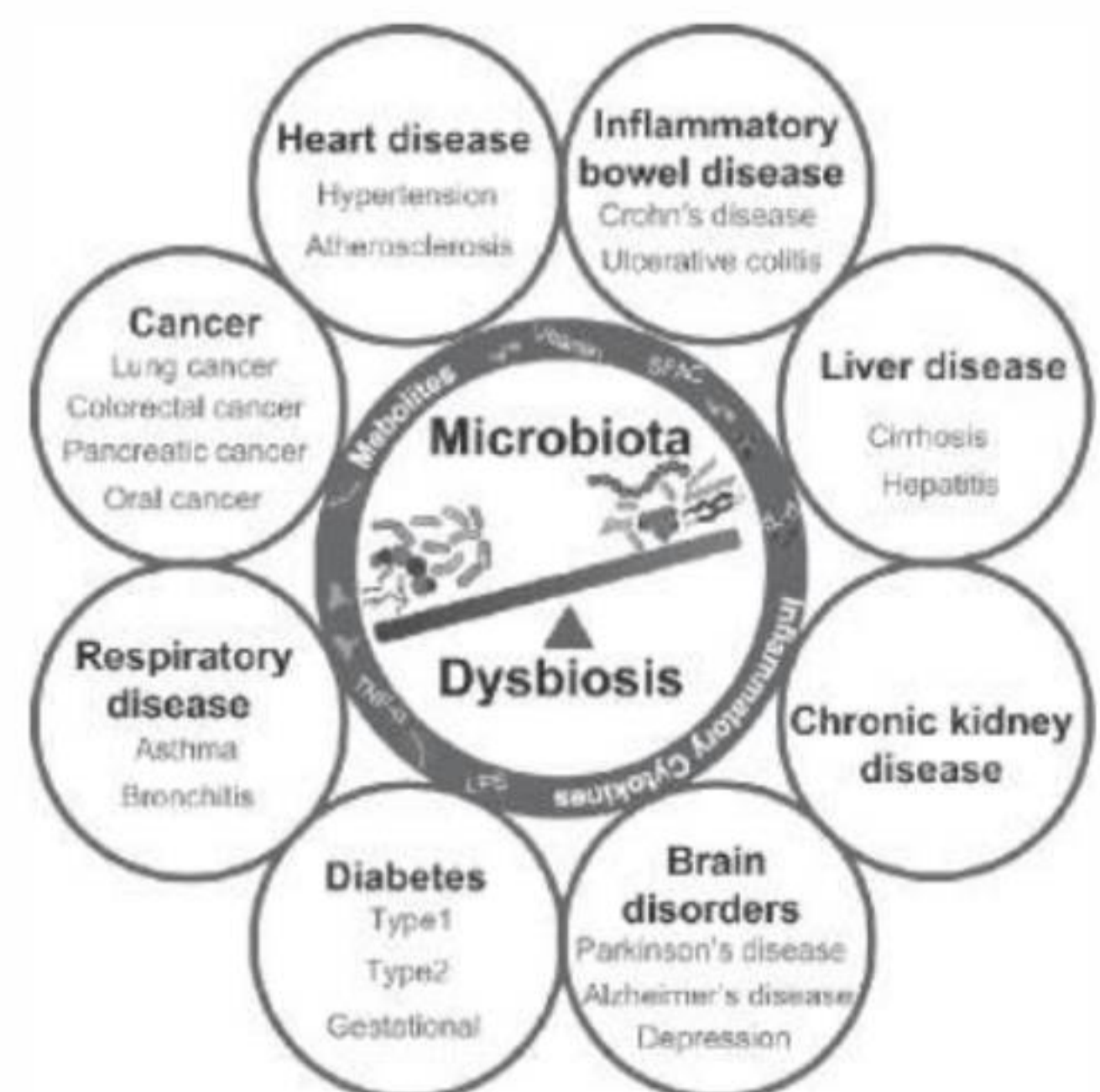
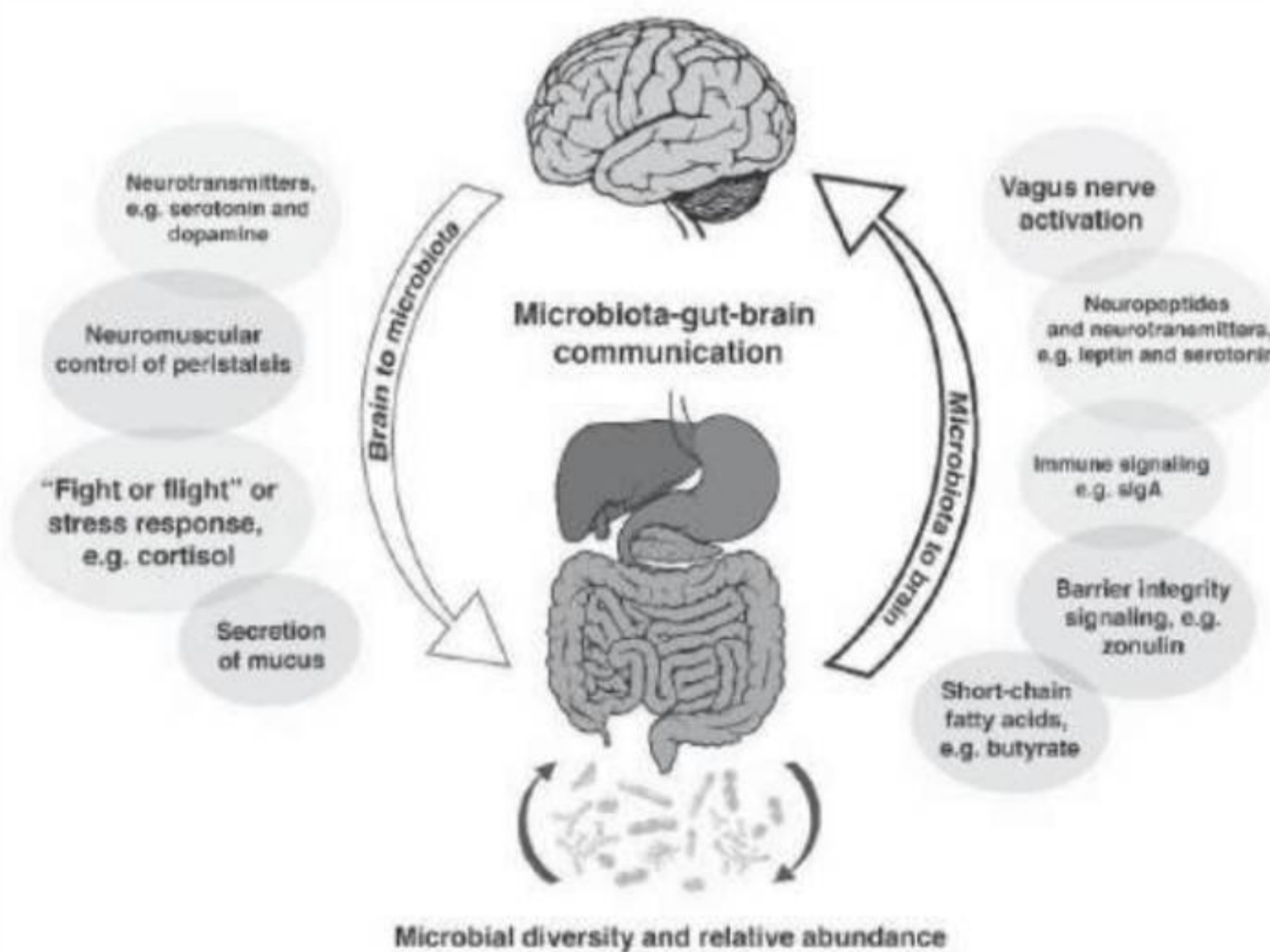
- Eating fibre-rich fruits, vegetables, and whole grains
- Including fermented foods like yoghurt and traditional preparations
- Staying physically active
- Managing stress effectively
- Avoiding unnecessary antibiotic use.

A New Understanding of Health

The concept of invisible microbial guardians reminds us that health is not just about our own cells but about the partnership we share with beneficial microorganisms. By nurturing these microscopic allies, we can strengthen our body, stabilize our metabolism, and support our mental well-being, building a healthier future from within.

- Jyoti

Assistant Professor of (Zoology), G.C. Mangali, Hisar



(एक जूलाँजी स्टूडेंट की कहानी / Ek Zoology Student ki Kahani) “Insects, Vectors & Viral Connections”

I'm a Zoology student, feeling so wise,
पर मच्छर ने फिर दे दिया surprise!
Insects are cool - six legs, exoskeleton tight,
Arthropoda गैंग - always ready to bite!
Some are harmless, busy in their biz,
पर कुछ वेक्टर बोले - “Virus aa रहा है, please!”
Vector मतलब carrier - disease नहीं खुद,
रोगजनकों का delivery boy - nature की shelf से सीधे प्रकट!
Mosquito बोले, “CO₂ is my guide,”
जरा सांस लो - I'll track you outside!
Female ही bite करे, males are chill,
मैडम को चाहिए blood meal for egg-making skill.
Dengue, malaria, chikungunya का trend,
एक tiny सा bite - और fever send!
Plasmodium parasite rides like a pro,
Anopheles के through करता है show.
Aedes aegypti - black-white queen,
Dengue virus के साथ stylish entry scene!
Housefly भी कम नहीं - hygiene की enemy,
कूड़े से kitchen तक - bacteria की journey.
Mechanical vector - बस चिपका के लाए,

Typhoid, cholera - free में दे जाए!
Ticks और fleas - dangerous squad,
Lyme disease बोले - “Science is odd!”
पर ecosystem में इनका role भी है,
Food chain बिना balance कौन सहे?
Dr. Vijayanti Jakhar, our guide and star,
सिखाती online class में vectors और insects का हर रहस्य बार -बार!
Disease control, prevention का goal,
Science और health का देती है clear role!
तो prevention ही बेहतर - प्रोफेसर बोले loud,
“Clean surroundings रखो!” - पूरी class proud.
Use मच्छरदानी, repellents, vaccination plan,
Public health science - humanity का fan.
अब exam में लिखूँगा full concentration,
Insects, vectors, disease transmission explanation!
Funny लगता है, but science is deep,
एक छोटा सा mosquito भी ना लेने दे sleep!

-Muskan

Roll No. 233262350003

B.Sc. III Medical

○ ○ ○ ○ ○ ○ ○ ○ ○ ○ ○ ○ ○ ○ ○ ○ Mosquito: The Tiny Terror Scientist मच्छर: छोटा सा साइंटिस्ट आतंक

Buzz buzz baby, in the silent night,
छोटा सा मच्छर, पर attitude tight!
With proboscis sharp like a mini syringe,
नाक नहीं भाई, ये है blood का hinge!
Only females bite, remember this rule,
Sirf madam ka attack - nature ka school!
Searching for CO₂ in the air you breathe,
सांसों की खुशबू से पकड़ लेती है seedh.
Your warm body heat is her radar beam,
Body temperature - mosquito's dream!
Tiny wings beat 600 times a second,
इतनी तेज़ उड़ान - physics भी stunned!
Saliva inject kare anti-clotting trick,
खून रहे flow में - science so slick!
Malaria, dengue, chikungunya ka name,

Virus-bacteria के साथ dangerous game.
But wait! In ecosystem she plays her part,
Food for fish and frogs - nature का art.
Dr. Vijayanti Jakhar, Assistant Professor of Zoology,
Zoology की Online class में सिखाती ये Biology,
Vectors और insects का scientific role,
कि कैसे control करें disease का goal!
So next time you slap mosquito with full frustration,
याद रखना - ये भी है creation!
Tiny body, scientific star,
छोटी सी life, पर impact huge yaar!
Buzz buzz ends, but lesson stays clear —
Science भी funny है, जब देखो near!

- Ankita

Roll No. 233262350002

B.Sc. III Medical



**Government College
Mangali, Hisar**



COMMERCE



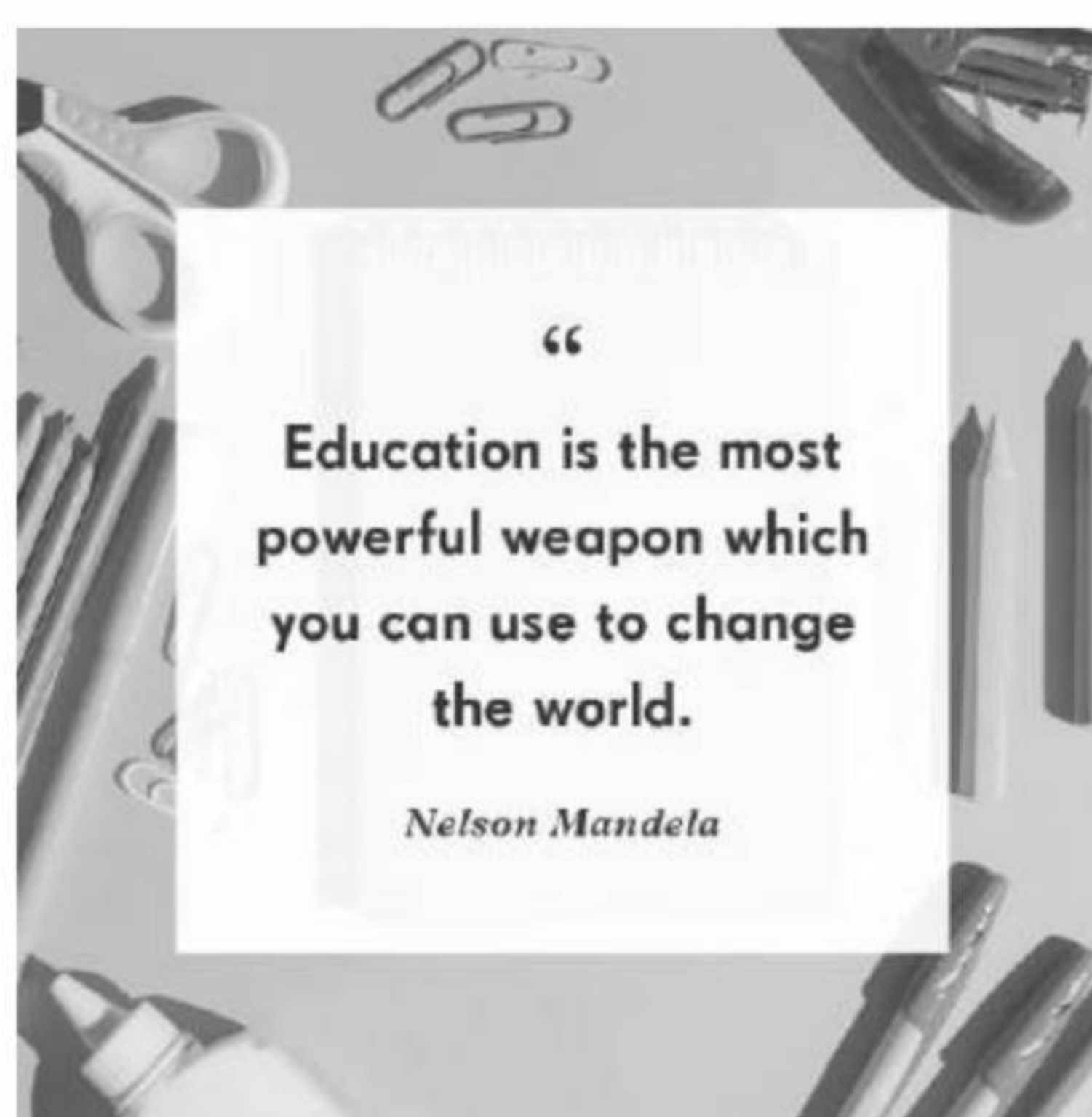
Editor

Dr. Kamalpreet Kaur

Assistant Professor
Department of Commerce

INDEX

Tital Name	Writer	Page
Editorial	Dr. Kamalpreet Kaur	35
Enterprenuer as a Innovator	Dr. Kamalpreet Kaur	36
The Great Ledger of Life	Divya	37
स्टार्टअप : नए भारत की उड़ान	Sahil	37
Commerce : The Pulse of the World	Kunal	37
Advertisement	Divya	38
E-Commerce and Technology	Ankit	38
Web Designing	Nupur	39
Degital Marketing	Sneha	39
Current Account	Neelam	40
Digital Commerce & Technology	Mohit	40
The Impact of Digital Tranformation ...	Deepak	41-42
GST और भारतीय अर्थव्यवस्था...	Pankaj	42
Plastic Money	Rahul	43



EDITORIAL



Commerce An Ocean of Opportunities, A New Wave of Innovation

Dear Students, When I enter the classroom and see the curiosity about the future in your eyes, I am convinced that Commerce is not merely a subject of ledgers and balance sheets. It is the very axis around which the economy revolves. Today, India has become the world's 5th largest economy and is on track to reach the 3rd spot by 2027. Initiatives like Digital India, UPI, Startup India, and ONDC are completely transforming the face of commerce. In this era, all of you as commerce students are not just job seekers but potential 'job creators'. What is Commerce Today? 1. Digital First: Every business is going online. Accounting has moved beyond Tally to Cloud ERP and AI. 2. Power of Data: Whoever can read data will rule the market. Business Analytics and Fin Tech are the new-age careers. 3. Foundation of Ethics: From Satyam to recent cases, we have seen that no business sustains without ethics. Not just your Balance Sheet, your Character also gets audited. 4. Think Global, Act Local: Connecting local businesses to global markets is the true spirit of 'Vocal for Local'. Remember, Lakshmi stays where Saraswati resides. Earning profit alone is not business; creating value for society is true commerce. Learn GST, but don't forget honesty. Understand the stock market, but avoid shortcuts. This issue of the college magazine is a document of your thoughts, research, and creativity. Read it, preserve it, and tomorrow when you become the CEO of a major company, you can proudly say – *"The foundation was laid right here"*.

"With best wishes,

Dr. Kamalpreet Kaur

Assistant Professor in commerce

ENTREPRENEUR AS AN INNOVATOR : A NEW PHENOMENON

Innovation is by far the primary factor that governs the very creation of a small business or entrepreneurship. Innovations can be processes or even products. One example of a process could be the creation of ideas through the written word. However, innovations can also be anything that it introduces the inventions of new products that change the marketplace or create a new marketplace. Some of these innovations may even replace current innovations to become the preferred product or process. When a person chooses to become an entrepreneur he chooses to be an organizer. An entrepreneur is a person who can take an idea for an innovation which enables to produce goods or services on demand for the general public, the government or even the military (Bhattacharya, 2006).

Ideal Entrepreneurs possess the ability to organize multiple people and tasks on any given day. They are inventive, can organize resources and others' time/needs/wants/money, etc. They can perceive opportunities where others cannot, can perceive risk levels and tend to least influenced by others' opinions of their innovative ideas.

Most of all, they are not faced by rejection of their ideas as they personally believe in what they are producing. However, the most successful type of entrepreneur can take constructive criticism of their business and make adaptations to achieve the best product possible with the lowest cost and the highest quality. Business entrepreneurship is a unique and special part of society that is dominated by leaders, they are the people who have the skills to share their knowledge, creativity, inventiveness and leadership with others by producing products or services that are beneficial to a particular business market. The life of an entrepreneur is one of hard work, long hours and constant devotion to their dream.

In almost all of the definitions of entrepreneurship, there is agreement that we are talking about a kind of behavior that includes: (1) initiative taking, (2) the organizing and reorganizing of social and economic mechanisms to turn resources and situations to practical account, (3) the acceptance of risk or failure.

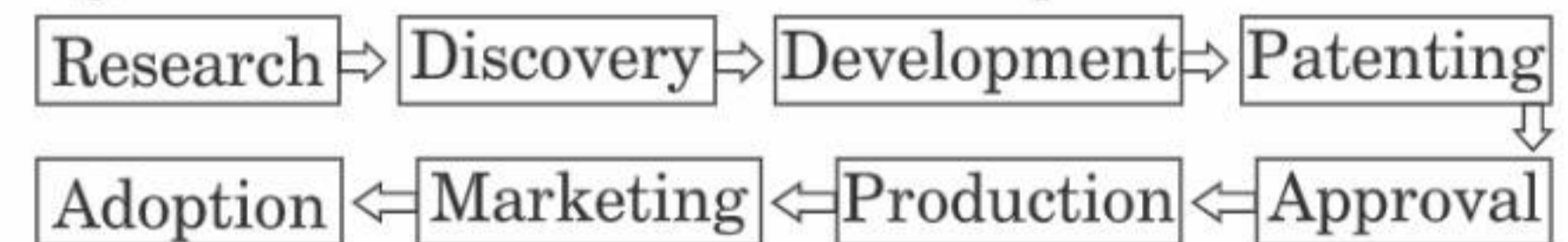
Entrepreneurship begets and also injects innovations by starting a chain reaction when the entrepreneur continuously tries to improve the quality of existing goods and services and add new ones. E.g. when computers came into the market there was continuous improvement in the models, their functions etc. like first generation computers, personal computers, laptops, palmtops etc. Not only had this fostered the development of the software industry, computer education institutes, computer maintenance and stationery units etc. but also other industries like banking, railways, education, travel, films, medical and legal transcriptions, business process outsourcing [BPOs] etc. In this manner by harnessing the entrepreneurial talent a society comes out of traditional lethargy to modern industrial culture. India needs entrepreneurs to capitalize on new opportunities and to create wealth and new jobs.

We have several entrepreneurial examples in India too. Reliance Industries Limited (RIL) started first with its textiles business in Naroda, Gujarat, and then gradually went on to

diversify and set up new entrepreneurial businesses - polyesters, fibres and fibre intermediaries, chemicals, polymers, petroleum products, telecom, energy, finance, and others - in a relatively short span of 25 years. In the information technology sector too, there are some notable examples such as Infosys Technologies, Wipro Infotech, Tata Consultancy Services (TCS), and Satyam. In the telecom sector, there are similar examples such as Bharti, Reliance Infocomm, and the Tatas.

THE INNOVATION PROCESS IN ENTERPRISE

Figure 1: The Innovation Process in Enterprise



Hence, the innovation process relates to the creating of something different, with value, by devoting necessary time and effort, by assuming the accompanying financial, psychological, and social risks, and receiving the resulting rewards of monetary and personal satisfaction. Thus, Entrepreneurship is simply the combining of ideas, hard work, and adjustment to the changing business market. It also entails to meet market demands, management. Hence, the Entrepreneur can lead innovation in the business by the following main activities:

- Improvements in design of existing product.
- Inventions of new products.
- Outsourcing of R&D and innovation
- Innovation based on process need
- Changes in industry and market structure

It is crucial to be specifically focussed on the essence of entrepreneurial management, its policies and practices with relation to innovation in entrepreneurship. An entrepreneur must be receptive to innovation and new views as an opportunity rather than a threat. It must be organized in a manner that it is willing to take up the challenge and do the hard work of entrepreneur.

It can rightly be said that entrepreneurs are individuals who innovate, identify and create business opportunities assemble and co ordinate new combinations of resources so as to extract the most profits from their innovation in an uncertain environment. To be entrepreneurial in the real sense, an enterprise needs to have special characteristics over and above being new and small. It needs to create something new, something different that would change the rules of the game and transmute values. If the enterprise does not innovate, it will inevitably age and decline rapidly. Sometimes, successful and financially healthy businesses do run the risk of becoming bureaucratic and complacent which could become a serious impediment to entrepreneurship and innovation. Succeeding as an entrepreneur and an innovator in today's world is vastly different from what it was earlier. Now, times are radically different, the challenges are enormous, and innovations are now the only way businesses can be succeeded in the long run.

- Dr. Kamalpreet Kaur

Editor: Commerce section

Assistant Professor in Commerce

The Great Ledger of Life : A Commercially-Charged Comedy

Welcome to the world of Commerce, where dreams are measured in profit margins and existential dread is often solved with a good balance sheet!

Commerce is the only field where you can spend four years studying how to make money, only to realize that the person selling tea outside the college probably has a better profit margin and lower overhead costs than you ever will.

Choosing commerce after 10th grade isn't just picking subjects; it's signing up for a lifelong adventure in counting things - money, assets, and how many hours you've spent staring blankly at an economics textbook.

Accountancy: The Art of Making Numbers Agree

In Accountancy, you learn that every debit needs a credit, a concept so profound it sounds like a mantra for world peace but usually just means you've spent three hours trying to find that missing \$10. It's a magical world where assets can mysteriously appear and liabilities vanish, often right before an exam. Your goal? To make everything balance, proving that even chaos can be organized (with enough spreadsheets). And people said Science is tough really?

Business Studies: How to Sell Sand in a Desert (and Make a Profit)

Business Studies teaches you the secrets of the universe, like SWOT analysis (Strengths, Weaknesses, Opportunities, Threats - basically, what you're good at, bad at, potential for glory, and impending doom). You'll master marketing buzzwords, learn about supply chains (which are often just giant, complicated ways to get a T-shirt from China to your closet), and discover that branding is just convincing people your product is better than the other identical product.

Economics: Predicting the Future (Badly)

Economics is where philosophers meet gamblers. You'll study supply and demand, which dictates that when everyone wants something, it costs more (shocking!), and when nobody wants it, it's cheap. Then, you'll learn about inflation, where your money suddenly decides to go on a diet, shrinking in value while prices grow like weeds. The funniest part? Economists get paid to predict this stuff, and they're usually wrong, but hey, it's an art, not a science, right?

The Grand Finale: Careers

I chose Commerce because I wanted to be rich. Now I'm just an expert at counting other people's money while checking my own bank balance to see if I can afford an extra topping on my pizza.

After years of financial gymnastics, you emerge ready for anything: a Chartered Accountant who speaks fluent Excel, a marketer who can sell ice to Eskimos, or a banker who understands why people keep borrowing money they can't repay. Commerce prepares you for a world of exchange, where everything has a price, and the real art is figuring out what that price should be. It's a world of endless possibilities, endless spreadsheets, and the eternal quest for that perfect profit!

- Divya

Roll No. : 1251048006

Class : B.Com 1st year

स्टार्टअप: नए भारत की उड़ान

स्टार्टअप मतलब नया आइडिया,
जो बदल दे दुनिया का नज़रिया।
छोटी सी सोच से शुरू होता सफर,
बड़े सपनों की ओर बढ़ता हर कदम।

नवाचार की आग, जो दिल में जलती,
जोखिम उठाने की हिम्मत, जो कभी न थमती।
फंडिंग की तलाश, टीम का साथ,
स्टार्टअप बनता है सफलता का नया पत्रा।

भारत में बढ़ता स्टार्टअप का जादू,
युवाओं की सोच में नई उड़ान का स्वाद।
कॉलेज मैगज़ीन में ये कहानी खास,
स्टार्टअप है भविष्य की नई पहचान।

- Sahil

Roll No. 12310480003

B.com IIIrd Year

Commerce: The Pulse of the World

In lecture halls, numbers dance and flow,
Ledgers, markets, strategies on show.
From startups' spark to global trade's grand stage,
Commerce writes the story of our age.

It's more than profit, more than a chart,
It's people, ideas, a living art.
Supply and demand, a rhythmic beat,
Fueling dreams on every street.

So here's to us, the thinkers, the bold,
Shaping futures, buying, selling, sold.
In this college magazine, let it be known,
Commerce is the seed from which we've grown.

- Kunal

Roll No. 1251046009

B.A. Ist Year

Advertisement

Advertisement is the art of convincing people to buy things they never planned to buy and then making them question their life choices later. It is a powerful tool that turns a simple “I’m just looking” into “I’ll buy it now.” In today’s modern world, advertisements are everywhere. They appear on television, mobile phones, newspapers, websites, billboards, buses, buildings, and sometimes even in our dreams. It feels like no matter where we go, advertisements are already there waiting for us, smiling confidently.

The main aim of advertisement is to attract customers and increase sales. To achieve this goal, companies use bright colors, catchy slogans, emotional stories, dramatic music, and celebrities who probably don’t even remember the product after the ad shoot. A fairness cream advertisement will show a person becoming brighter than the sun in just seven days. If that were true, people would stop using mirrors and start wearing sunglasses indoors. Streetlights would also become unnecessary because everyone would glow naturally.

Advertisements are well known for making big and sometimes impossible promises. One shampoo claims it can stop hair fall, remove dandruff, make hair shiny, repair damage, and bring happiness back into your life. If shampoos were really this powerful, hospitals would be replaced by salons. Energy drink advertisements show people running faster than cars, climbing mountains without breathing, and jumping off buildings safely. However, in real life, the same energy drink only gives us enough energy to stay awake late at night scrolling endlessly on our phones.

Food advertisements deserve a special mention because they are the most creative storytellers. The pizza shown in advertisements looks like it came straight from heaven, covered with so much cheese that it stretches longer than our patience. But when the pizza finally arrives, it looks tired, flat, and emotionally damaged. Burger advertisements show layers so perfect that they look like they were designed by engineers, while the real burger looks like it was squashed on the way to our house. Ice cream ads show happiness, friendship, and slow-motion joy, but real ice cream melts faster

than our motivation to exercise.

Advertisements have a strong influence on our daily life. After watching advertisements, we suddenly feel that everything we own is old, useless, and embarrassing. Our phone works perfectly fine until we see an advertisement for a new one. Suddenly, our phone becomes slow, the battery starts dying faster, and the camera quality feels insulting. Advertisements also make us believe that choosing the wrong toothpaste can destroy our smile and selecting the wrong soap can ruin our entire future.

Advertisements also affect children and young people. Kids start demanding toys they saw on television, even if they already have a hundred similar ones at home. According to advertisements, every toy can make a child smarter, faster, and more successful. If this were true, every child would be a genius by now and homework would be banned forever.

Despite all these tricks and exaggerations, advertisements can be entertaining and creative. Some advertisements are so funny and memorable that people enjoy watching them again and again. A good advertisement is like a good joke—it makes us laugh, stays in our memory, and quietly encourages us to spend money. Advertisements also help us learn about new products, discounts, and services, which can be useful when we are careful and smart.

In conclusion, advertisement is an important and unavoidable part of modern life. It informs us about products, entertains us with humor, and sometimes confuses us with unrealistic promises. While advertisements can be fun to watch, we should not believe everything they show. A wise consumer enjoys the joke, checks the facts, and thinks twice before buying. After all, not every product can change our life—especially the ones that promise perfection in just seven days.

- Divya

Roll No. : 1251048006

Class : B.Com 1st year

E-Commerce and Technology

The impact of artificial intelligence on financial planning, the evolution of consumer behavior in e-commerce, suitable business practices, digital payment system for SMEs and the role of Block chain in supply chain management. Other timely topics cover crypto currency adoption risks, ethical marketing and the future of work.

E-Commerce and Technology

- **The Rise of Mobile Commerce:** How Smartphone shopping is changing consumer habits.
- **AI Business Operation :** Analyzing how AI transforms marketing and accounting.
- **Blockchain in Logistics :** Enhancing transparency in supply chain management.
- **Digital Payment Evolution :** The impact of fintech on small and medium-sized enterprises

- **Social Media Marketing :** The effectiveness of influencer marketing and social commerce.

Business Strategy and Ethics

- **Sustainable Business Practices :** Integrating green, ethical, and eco-friendly practices into commerce.
- **Corporate Social Responsibility :** The impact of CSR on consumer perception and brand value.
- **Cryptocurrency Risks :** Evaluation the volatility and adoption of digital currencies in finance.
- **Ethical Marketing :** The controversy surrounding data privacy, AI decision-making and neuromarketing.

- Ankit

Class : B.Com 1st Year

Roll No : 253262290005

Web Designig

Web designing is the multidisciplinary process of planning, conceptualizing, and arranging content online to create websites that are both visually appealing and functionally efficient. In 2026, web design has moved beyond simple aesthetics to prioritize user experience (UX) and user interface (UI), ensuring sites are intuitive, accessible, and high-performing.

Core Elements Of Web Design:

An effective website relies on several foundational components:

- **LAYOUT:** The arrangements of elements on a page. Modern designers often use grid-based systems to maintain order and "white space" to prevent visual clutter.
- **TYPOGRAPHY:** Selecting fonts that are both readable and aligned with the brand's identity.
- **COLOR PALETTE:** Using colors strategically to evoke specific emotions and reinforce brand recognition.
- **NAVIGATION:** Designing intuitive menus and pathways so users can find information quickly.
- **CONTENT:** The actual information (text, images, video) that must be organized to be easily digestible.

Key Design Principles :

- **RESPONSIVE DESIGN:** This is now a standard requirement. Websites must automatically adjust their layout to function perfectly across all devices, including desktops, tablets, and smartphones.
- **VISUAL HIERARCHY:** Using size, color, and placement to guide the user's eye towards the most important information first, such as a "Call To Action" (CTA) button.
- **ACCESSIBILITY:** Ensuring the site is usable for

everyone, including individuals with disabilities, through tools like alt-text for images and screen-reader-friendly code.

- **PAGE SPEED:** High-quality design includes optimizing assets (like images) to ensure fast loading times, which is critical for both user retention and Search Engine Optimization (SEO).

Popular Tools & Technologies:

Designers use various specialized tools to bring their visions to life:

- **DESIGN & PROTOTYPING :** Figma, Adobe Creative Cloud (Photoshop, Illustrator), and Sketch are industry leaders for creating visual mockups and interactive prototypes.
- **NO-CODE BUILDERS:** Platforms like Wix, WordPress, and Webflow allow for rapid development without deep coding knowledge.
- **CODING BASICS:** While not always required, many designers use HTML, CSS, and JavaScript to fine-tune layout and add interactivity.

Career Outlook:

Web design remains a robust career field. In 2026, the demand for digital designers is projected to grow by approximately 8-16% as businesses continue to prioritize their online presence. To start a career, aspiring designers typically build a portfolio of work and may pursue certification from platforms like Coursera or Noble Desktop.

- Nupur

Class : B.A 1st year

Roll No: 1251046013

Digital Marketing

The Future of Advertising : In today's digital age, marketing has taken a significant shift from traditional methods to online platforms. Digital marketing has become an essential tool for business to reach their target audience, increase brand awareness, and drive sales.

What is digital marketing? : Digital marketing is the promotion of products or services using digital channels such as search engines, social media, email, and websites. It includes various techniques like SEO, PPC, content marketing, and more.

Why digital Marketing?

- Wide reach and accessibility.
- Cost-effective compared to traditional marketing
- Measurable results and analytics

Types of Digital Marketing :

- Search engine optimization (SEO): optimizing website content for search engines.
- Pay-per-click (PPC): paid advertising on search engines and social media.

- Social Media Marketing: promoting products on social media platforms.
- Content Marketing: creating valuable content to attract audience.
- Email Marketing: Sending targeted emails to customers.

Career Opportunities :

- Digital marketing specialist
- Social Media manager
- Content creator
- SEO Expert
- PPC Specialist

Digital marketing is a rapidly growing field with immense opportunities. If you're interested in technology, creativity, and analytics, this might be the career path for you!

- Sneha

Class : B.A 1st year

Roll no. 1251046014

Current Account

A current account can refer either to a type of bank account for daily business transaction or, in an economic context, to a key component of a country's balance of payments.

Banking Context:

A current account in banking is a non-interest bearing deposit account designed for business, professionals, and organisations that need to conduct a high volume of transactions regularly.

- **KEY FEATURES:** These accounts offer high liquidity, allowing unlimited or high-limited deposits and withdrawals, as well as facilities like chequebooks, online banking, and debit cards.
- **OVER DRAFT FACILITY:** Many current accounts include an overdraft facility, providing short-term borrowing to manage cash flow fluctuations.
- **MINIMUM BALANCE:** they usually require a higher minimum average balance compared to saving accounts, with penalties for non-maintenance.
- **RECENT REGULATIONS:** The Reserve Bank of India (RBI) has implemented Stricker rules from April 1, 2026, for business with over rs. 10 crore in total exposure to the banking system. Under these rules, only the lending banks with at least 10% shares of the total exposure can operate a full current account, while other banks can only offer restricted "collection accounts".

Economic Context:

In economics, the current account is a major component of a country's balance of payments, recording all transactions of goods, services, income, and current transfers between the country and the rest of the world.

- **BALANCE:** A current account surplus means a country is exporting more than it is importing, while a deficit indicates the opposite.
- **RECENT TREND (India):** India's current account deficit (CDA) is being closely monitored. It narrowed to \$12.3 billion (1.3% of GDP) in Q2 of the 2025-26 fiscal year, supported by strong service exports and remittances. However, some analysts project it could widen slightly for the full fiscal year due to trade pressure and high imports.
- **GLOBAL TRENDS:** Global current account balances widened in 2024, a reversal of a previous narrowing trend, signaling a potentially significant structural shift in the global economy.

- Neelam

Class: B.A. 1st Year
Roll No: 1251046022

Digital commerce & technology

The digital commerce world is moving past basic online transactions into a "Panoramic View" of electronic interaction that encompasses the entire customer journey. In 2025-26, staying ahead is no longer just a competitive advantage; it is a survival mechanism as technology "S-curves" compress the distance between emerging and mainstream adoption. Success now requires the courage to redesign entire operations rather than just automation of broken ones.

1. The Rise of Agentic & Predictive Commerce

- **Agent AI:** Moving beyond chatbots to AI agents that can automatically adjust pricing based on real-time demand or handle complex support tickets without human intervention.
- **Predictive Shopping:** Using first-party data and machine learning to anticipate customer needs before they are explicitly stated, reducing decision fatigue.
- **Agentic Reality Check:** Preparing for a "silicon-based workforce" where AI agents orchestrate repetitive tasks, allowing human teams to focus on strategy.

2. Immersive & Conventional Interface

- **Voice and Visual Search:** Optimizing for a world where 50% of searches are "zero-click" and users shop by snapping photos with tools like Google Lens or speaking to smart assistants.
- **Social & Immersive Commerce:** The transformation of platforms like TikTok Shop and Instagram Shopping into primary points of sale where "discovering to purchase" happens in one spot.
- **AR/VR "Try-Before-You-Buy":** Using Augmented Reality to visualize furniture in a room or virtually try on apparel to reduce return rates and boost buyer confidence.

- Mohit

Class : B.Com 1st Year
Roll No : 253262290004

The Impact of Digital Transformation in the Indian Banking Sector

Introduction

The Indian banking sector is undergoing a profound transformation, driven by rapid advancements in digital technology. This digital revolution has reshaped traditional banking practices, offering unprecedented convenience, efficiency, and accessibility to customers. Digital transformation in banking encompasses the adoption of various technologies to streamline operations, enhance customer experience, and expand financial inclusion. This article explores the multifaceted impact of digital transformation on the Indian banking sector, examining key trends, growth statistics, emerging technologies, and the challenges that accompany this paradigm shift.

What is Digital Banking?

Digital banking refers to the process of conducting all banking activities through digital platforms, thereby minimizing or eliminating the need for physical paperwork such as cheques, pay-in slips, and demand drafts. It enables customers to access a wide array of services, including fund transfers, account management, loan applications, and investments, entirely online, anytime, and anywhere. The scope of digital banking is broad, encompassing:

- **Mobile Banking** : Accessing banking services via smartphones or tablets through dedicated applications, SMS, or USSD codes, offering convenience and flexibility on the go.
- **Internet Banking** : Utilizing secure website or mobile applications to manage accounts, transfer funds, pay bills, and access statements.
- **Telephone Banking** : Performing basic transactions and inquiries through interactive voice response (IVR) systems or customer service representatives.
- **Any-Time Banking** : Providing 24/7 access to banking services through various digital channels, including ATMs, mobile apps, and internet banking.
- **Virtual Banking** : Operating entirely online without physical branches, offering full-scale services with enhanced convenience and cost-efficiency.

Over the years, Indian banking operations have evolved significantly, transitioning from manual ledger systems to sophisticated Core Banking Systems (CBS) that automate transactions across multiple digital channels. This shift has revolutionized customer interactions, leading to greater speed, accuracy, and convenience.

Key Digital Payment Systems in India

India has witnessed a remarkable revolution in digital payment systems, making financial transactions faster, safer, and more convenient. The major types of digital payment methods currently in use include:

- **National Electronic Funds Transfer (NEFT)** : A nationwide payment system for one-to-one fund transfers, operating on a deferred settlement basis with hourly batch processing.
- **Real-Time Gross Settlement (RTGS)** : Facilitates

real-time, individual settlement of high-value transactions (INR 2 lakh or more), ensuring instant transfer and settlement between banks.

- **Electronic Clearing System (ECS)** : An electronic method for transferring funds from one account to multiple accounts simultaneously, commonly used for bulk payments like salaries and utility bills.
- **Immediate Payment Service (IMPS)** : Launched by the National Payments Corporation of India (NPCI) in 2010, IMPS enables 24/7 instant interbank electronic fund transfers via mobile phones, internet banking, or ATMs.
- **Unified Payments Interface (UPI)** : One of India's most revolutionary digital payment methods, UPI uses a Virtual Payment Address (VPA) for seamless fund transfers without requiring bank account numbers or IFSC codes. It supports various transactions, including bill payments, peer-to-peer transfers, and merchant transactions.

Growth and Statistics

The digital transformation in the Indian banking sector is evidenced by impressive growth statistics:

- **UPI Transactions**: UPI has shown exponential growth. In FY 2023-24, UPI recorded 13,116 crore transactions. By January 2026, UPI transactions reached a record high of rs. 28.33 lakh crore in value and 21.70 billion in volume. The number of active UPI QR codes increased to 709 million, marking a 21% rise since July 2024.
- **Digital Transaction Volume**: Digital payments constituted an overwhelming 99.8% of the total transaction volume in the first half of 2025.
- **Market Size**: The digital banking platform market in India was valued at an estimated USD 3,181.7 million in 2025 and is projected to reach USD 18,107.2 million by 2033, growing at a CAGR of 9.55% from 2025 to 2035.

Emerging Trends and Technologies

The future of digital banking in India is being shaped by several innovative trends and technologies:

- **Contactless Payments**: Increasingly popular, contactless payments offer speed and convenience, allowing customers to complete transactions with a simple tap of a card or mobile device.
- **Artificial Intelligence (AI)**: AI is significantly transforming banking through 24/7 AI-powered chatbots for customer service, data analytics for market trend forecasting and risk assessment, and predictive maintenance for banking infrastructure.
- **Metaverse Banking**: This emerging technology allows customers to virtually visit bank branches and interact with AI-powered avatars for services like loan

applications and digital vault access.

- **Super Apps:** The concept of banking super apps is gaining traction, integrating multiple financial services—such as budgeting, investments, insurance, and tax management—into a single, customizable platform, often powered by open APIs.
- **Neo-banks :** Digital-only banks without physical branches are attracting a significant user base, particularly among the youth. Research indicates that 67% of Indian youth respondents currently use neo-bank services, reflecting a strong shift towards digital-first banking.

Challenges in Digital Banking

Despite its numerous advantages, digital banking in India faces several critical challenges:

- **Cyber security Threats:** The increased reliance on online transactions and digital data has heightened the risk of cyber attacks, including phishing, hacking, and malware. A significant 66.8% of all reported frauds in 2024-25 were related to cards and the internet, underscoring the importance of safeguarding sensitive customer information.
- **Digital Awareness and Education:** A considerable portion of the population, especially in rural areas and among the elderly, lacks adequate digital literacy and awareness of secure digital banking practices. Educating customers on cyber security and fraud prevention remains a major hurdle.
- **Lack of Physical Presence:** The absence of physical branches in digital-only banking models can create a sense of disconnect for some customers and may impact trust, particularly for complex financial issues.
- **Operational Resilience:** Banks must ensure robust digital infrastructure that can operate without interruption. System downtime or failures can severely impact customer trust and financial operations.
- **Regulatory Complexity:** Navigating the intricate regulatory landscape, including adherence to diverse financial regulations and compliance requirements set by bodies like the Reserve Bank of India (RBI), poses a significant operational challenge for banks operating in a dynamic environment.

Conclusion

Digital transformation has irrevocably altered the landscape of the Indian banking sector, ushering in an era of unprecedented innovation and customer-centric services. While the benefits of enhanced financial inclusion, operational efficiency, and superior customer experiences are evident, the sector must proactively address challenges such as digital literacy, and regulatory complexities. As emerging technologies like AI, Metaverse, and Super Apps continue to evolve, the Indian banking sector is poised for further growth and evolution, promising a more integrated, personalized, and efficient financial ecosystem for all.

- Deepak

Class : B.Com 1st Year

Roll no. 1251048002

GST और भारतीय अर्थव्यवस्था

पर इसका प्रभाव

प्रस्तावना :

वस्तु एवं सेवा कर (GST) भारत की कर प्रणाली में किया गया एक ऐतिहासिक सुधार है। इसे 1 जुलाई 2017 को लागू किया गया। GST का मुख्य उद्देश्य देश में एक समान अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था लागू करना तथा कर प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाना है। इससे पहले भारत में VAT, सेवा कर, उत्पाद शुल्क जैसे अनेक अप्रत्यक्ष कर प्रचलित थे।

GST का अर्थ :

GST एक अप्रत्यक्ष कर है जो वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति पर लगाया जाता है। यह एक उपभोग-आधारित कर है, अर्थात् कर उसी स्थान पर वसूला जाता है जहाँ वस्तु या सेवा का उपभोग होता है। GST के तीन प्रकार होते हैं— CGST (केंद्रीय GST), SGST (राज्य GST) और IGST (एकीकृत GST)। इस प्रणाली से दोहरे कर की समस्या समाप्त हो गई है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर GST का प्रभाव :

GST ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। पहले कर पर कर लगता था, जिससे वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती थीं। GST ने इस समस्या को समाप्त कर दिया, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिली।

GST ने कर व्यवस्था को डिजिटल और पारदर्शी बनाया है। ऑनलाइन पंजीकरण, रिटर्न फाइलिंग और भुगतान प्रणाली से कर चोरी में कमी आई है और सरकार के राजस्व में वृद्धि हुई है।

“एक राष्ट्र, एक कर” की अवधारणा को GST ने सशक्त बनाया है। अंतर्राज्यीय व्यापार सरल हुआ है और चेक पोस्ट हटने से परिवहन लागत कम हुई है, जिससे व्यापार को गति मिली है।

छोटे और मध्यम उद्योगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने में भी GST ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

GST की चुनौतियाँ :

GST लागू होने के प्रारंभिक समय में व्यापारियों को तकनीकी समस्याओं, जटिल नियमों और बार-बार कर दरों में बदलाव का सामना करना पड़ा, लेकिन समय के साथ इनमें काफी सुधार हुआ है।

उपसंहार :

अंत में कहा जा सकता है कि GST भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रभावी कर सुधार है। इसने कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी और मजबूत बनाया है। भविष्य में GST भारत की आर्थिक प्रगति में और अधिक योगदान देगा।

- Pankaj

College roll no: 1241048002

Class: B.com 2nd year

Plastic Money

Plastic money refers to various types of bank-issued cards made of plastic (and sometimes metal) used to perform electronic transactions in place of physical cash. Originally popularized in the mid-20th century, these tools have become the backbone of the modern digital economy.

Core Types of Plastic Money :

- **DEBIT CARDS:** Linked directly to your bank account; funds are deducted instantly upon transactions.
- **CREDIT CARDS:** Allow you to borrow funds from the bank up to a pre-set limit, to be repaid later, often with interest.
- **PREPAID CARDS:** Carded pre-loaded with a specific amount of money; they are not necessarily linked to a bank account.
- **FOREX CARDS:** Designed for international travellers to load multiple foreign currencies and avoid exchange rate fluctuations.
- **STORE/CHARGE CARDS:** issued by specific retailers for use in their stores, often offering exclusive discounts.

Evolution & History:

The transition from paper to plastic began in the 1950s with the Diners Club Card, followed by American Express launching the first plastic card in 1958/59. A major technological leap occurred in the 1960s/70s with the introduction of magnetic stripes and the Automated Teller Machine (ATM), which revolutionised accessibility. Modern cards now primarily use EMV Chips for enhanced security.

Advantages of Using Plastic Money:

- **CONVENIENCE:** Eliminates the need to carry bulky cash and allow for 24/7 transaction via ATM-cum-Debit Cards .
- **SECURITY:** Features like PIN protection, two factor authentication, and the ability to instantly block lost Cards provide superior protection over cash.
- **FINANCIAL RECORD-KEEPING:** Every swipe leaves a digital trail, making it easier to track spending patterns and manage budgets.
- **GLOBAL ACCEPTANCE:** International cards (visa, MasterCard , Amex) are accepted worldwide, simplifying cross-border travel and online shopping.
- **REWARDS:** Many issuers offer cash back, reward pointers, and travels perks like long access to incentives usage.

Challenges and Risks

- **OVERSPENDING:** The "painless" nature of swiping can lead to impulsive purchases and unmanageable debt especially with credit cards.
- **FRAUD VULNERABILITY:** Despite security, cards are still susceptible to phishing, cloning, and cyber-attacks.
- **FEES:** Users may encounter annual maintenance fees, transaction charges, or high interest rates if balances are not paid on time.
- **TECHNICAL DEPENDENCE:** Transaction require functional POS terminals and internet connectivity; technical glitches can disrupt access to funds.

Impact In India:

India has seen a massive surge in plastic money adoption accelerated by demonetisation and the COVID-19 pandemic. Government initiatives like digital India and Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana have brought millions into the banking fold, with RuPay cards playing a key role in domestic growth.

Would you like to explore tips for safeguarding you card against online fraud or a comparison of the best credit card rewards available currently.

- Rahul

Class : B.A. 1st Year

Roll No. : 1251046006



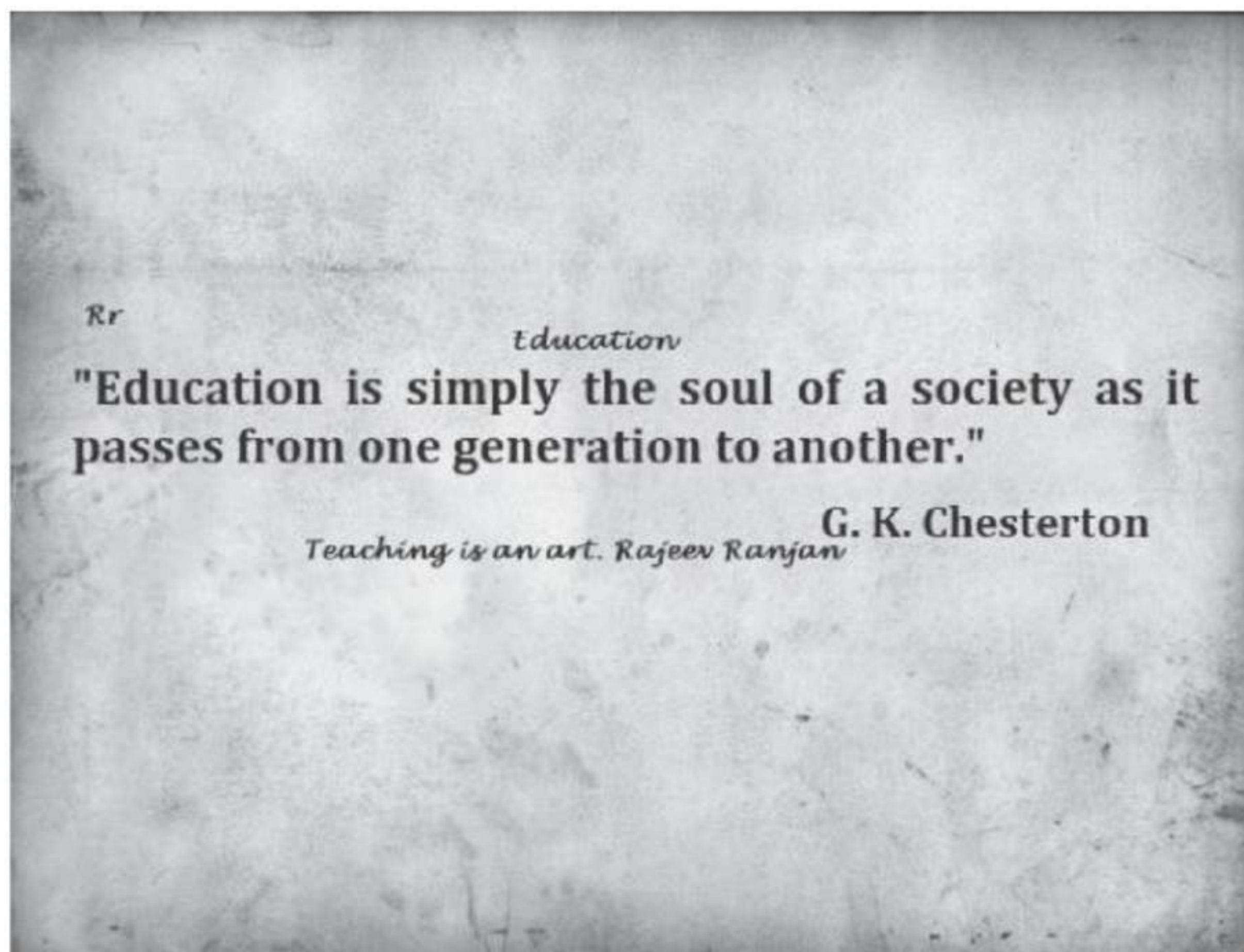
"These tariffs are killing my business!"





**Government College
Mangali, Hisar**

General Section





From Fear to Fascination : Changing Students' Attitude Towards Mathematics

Mathematics is often perceived as a difficult and intimidating subject, leading many students to develop fear, anxiety, and a lack of confidence. As Carl Friedrich Gauss once said, "Mathematics is the queen of the sciences," Yet, for many learners, it appears less like a queen and more like an unsolvable puzzle. This fear arises not from lack of ability, but from negative experiences, misconceptions, and ineffective learning strategies.

To overcome this fear, students must first change their mindset. Instead of thinking "I am not good at mathematics," they should adopt a growth perspective—understanding that mathematical ability improves with practice. As Albert Einstein wisely remarked, "Do not worry about your difficulties in mathematics; I can assure you mine are still greater." This reminds students that struggle is a natural part of learning, not a sign of failure. A similar spirit is reflected in the Sanskrit thought: "उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः" (Success comes through effort, not mere wishes).

One of the most effective ways to make mathematics interesting is to focus on understanding rather than memorization. Students should try to grasp the logic behind formulas and concepts instead of simply learning them by heart. Breaking problems into smaller steps, asking questions in class, and discussing doubts with peers or teachers can make learning more interactive and less stressful.

Regular practice is essential. Mathematics cannot be mastered overnight. As Paul Halmos said, "The only way to learn mathematics is to do mathematics." Starting with basic problems and gradually progressing builds confidence. The Sanskrit thought "अभ्यासेन तु कौन्तेय" reinforces the value of consistent practice.

Connecting mathematics with real-life situations—such as budgeting or recognizing patterns—makes it meaningful. Using puzzles, games, and digital tools can further enhance interest. Students should not fear mistakes, as they are stepping stones to improvement. Good time management, small achievable goals, and regular revision also reduce anxiety.

Teachers play a key role by creating a supportive environment and encouraging participation. With the right mindset, consistent effort, and proper guidance, students can transform fear into fascination. As Bertrand Russell said, "Mathematics... possesses supreme beauty." Once students recognize this beauty, the subject becomes enjoyable and rewarding.

Ajay Kumar
Assistant Professor of Mathematics



The Importance of Physical Fitness in College Life

College life is a crucial stage in a student's journey. It is the time when dreams take shape and responsibilities increase. In the middle of assignments, examinations, and career planning, we often forget an important truth — “स्वास्थ्य ही धन है” (Health is wealth). Without good health, success in any field becomes difficult.

Physical fitness means keeping the body and mind strong, active, and balanced. A healthy body supports a healthy mind — “तंदुरुस्ती हजार नियामत”. Regular exercise, sports participation, yoga, and outdoor activities improve concentration, reduce stress, and increase confidence. Students who engage in physical activities are often more disciplined and energetic in their academic pursuits.

International events like the Olympic Games remind us that success comes through dedication, hard work, and perseverance. The spirit of “कड़ी मेहनत और लगन” (hard work and dedication) is not limited to athletes alone; it is equally essential for students in their academic life.

At our institution, sports and physical education are not merely extracurricular activities; they are an integral part of holistic development. When students participate in intercollegiate competitions, they carry the pride of the college with them. This sense of belonging strengthens teamwork and leadership qualities. As we say, “एकता में शक्ति है — unity is strength.” Sports cultivate this unity among students from diverse backgrounds.

In today's fast-paced digital era, many students spend long hours on screens, leading to stress and physical inactivity. It is important to remember that “चलता शरीर, स्वस्थ शरीर” — an active body is a healthy body. Even 30 minutes of daily exercise can bring significant positive changes in physical and mental well-being.

Our college provides playgrounds, gym facilities, and structured physical education programs to ensure students get ample opportunities to stay active. However, facilities alone are not enough; participation requires personal commitment. “जहाँ चाह, वहाँ राह — where there is a will, there is a way.”

In conclusion, physical fitness is not only about strength or stamina; it is about building character, resilience, and balance in life. Let us adopt a lifestyle where academics and physical activity go hand in hand. By embracing the principle of “स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन” (a healthy mind resides in a healthy body), we can create a vibrant, energetic, and successful college community.

– By Mr Sudhir

Assistant Professor,

Department of Physical Education

योग के रोचक तथ्य / Yoga Facts

- योग का अर्थ / Meaning of Yoga** – योग का शाब्दिक अर्थ है “जोड़ना” या “एकता”, अर्थात् शरीर, मन और आत्मा का मेल।
Yoga literally means “union” – the union of body, mind, and soul.
- सूर्य नमस्कार / Sun Salutation (Surya Namaskar)** – केवल 12 आसनों का क्रम, जो शरीर में ऊर्जा, लचीलापन और शक्ति बढ़ाता है।
A sequence of 12 poses that enhances flexibility, strength, and energy.
- प्राणायाम / Pranayama** – सही तरीके से सांस लेना, जो तनाव कम करता है, फेफड़े मजबूत बनाता है और जीवन शक्ति बढ़ाता है।
Proper breathing exercises that reduce stress, strengthen lungs, and boost vitality.
- ध्यान / Meditation (Dhyana)** – मन की शांति, सकारात्मक सोच, और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार लाता है।
Promotes mental peace, positive thinking, and improves mental health.
- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस / International Yoga Day** – हर साल 21 जून को मनाया जाता है, ताकि योग के लाभ पूरे विश्व में फैलें।
Celebrated on 21st June every year to spread awareness of yoga worldwide.
- स्वास्थ्य लाभ / Health Benefits** – योग से हृदय स्वस्थ, रक्तचाप नियंत्रित, नींद बेहतर और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
Yoga improves heart health, controls blood pressure, enhances sleep, and boosts immunity.
- प्राचीन उत्पत्ति / Ancient Origin** – योग की उत्पत्ति भारत में 5,000 साल पहले हुई और यह सम्पूर्ण जीवन शैली माना जाता है।
Yoga originated in India over 5,000 years ago and is considered a holistic lifestyle practice.
- मन और शरीर का संबंध / Mind-Body Connection** – योग मन और शरीर के बीच संतुलन और सामंजस्य बढ़ाता है।
Yoga strengthens the mind-body connection, improving focus, balance, and inner calm.
- सभी आयु के लिए / Suitable for All Ages** – योग बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी उम्र और फिटनेस स्तर के लिए अनुकूल है।
Yoga can be adapted for all age groups and fitness levels.
- तनाव प्रबंधन / Stress Management** – नियमित योग अभ्यास तनाव और चिंता कम करता है, मानसिक स्थिरता और भावनात्मक संतुलन लाता है।
Regular yoga practice reduces stress and anxiety, promoting emotional balance and mental stability.



-Dr. Vijayanti Jakhar (Convenor)
G.C. Mangali, Hisar
Yoga Club

“Imagine Animals as Humans – Fun Facts” “जानवरों की मानव जैसी दुनिया”

- Kangaroo – The Gymnast**
If kangaroos were human, they would be professional athletes. They cannot walk backward and use their strong tail like a third leg.
अगर कंगारू इंसान होते, तो वे पेशेवर खिलाड़ी होते। वे पीछे की ओर नहीं चल सकते और अपनी मजबूत पूंछ को तीसरे पैर की तरह इस्तेमाल करते हैं।
- Octopus – The Genius Magician**
If an octopus were human, it would be a master escape artist. It has three hearts and can change its color instantly.
अगर ऑक्टोपस इंसान होता, तो वह जादूगर होता। उसके तीन दिल होते हैं और वह तुरंत अपना रंग बदल सकता है।
- Elephant – The Emotional Friend**
If elephants were human, they would be very caring and emotional. They remember friends for years and even feel sad when someone dies.
अगर हाथी इंसान होते, तो वे बहुत भावुक और देखभाल करने वाले होते। वे अपने साथियों को सालों तक याद रखते हैं और किसी की मृत्यु पर दुख भी मनाते हैं।
- Dolphin – The Smart Communicator**
If dolphins were human, they would be great speakers. They have special whistles like names to call each other.
अगर डॉल्फिन इंसान होती, तो वे बेहतरीन वक्ता होतीं। वे एक-दूसरे को बुलाने के लिए खास सीटी जैसी ध्वनि का उपयोग करती हैं।
- Owl – The Night Watcher**
If owls were human, they would be night security guards. They can turn their heads up to 270 degrees.
अगर उल्लू इंसान होते, तो वे रात के चौकीदार होते। वे अपना सिर लगभग 270 डिग्री तक घुमा सकते हैं।
- Ant – The Super Worker**
If ants were human, they would be super strong workers. They can lift 50 times their body weight.
अगर चींटियाँ इंसान होतीं, तो वे बहुत ताकतवर मजदूर होतीं। वे अपने शरीर के वजन से 50 गुना ज्यादा भार उठा सकती हैं।
- Giraffe – The Tall Observer**
If giraffes were human, they would be the tallest people around. Their heart is powerful enough to pump blood up their long neck.
अगर जिराफ इंसान होते, तो वे सबसे लंबे होते। उनका दिल इतना शक्तिशाली होता है कि वह लंबी गर्दन तक खून पहुंचा सकता है।
- Bat – The Night Navigator**
If bats were human, they would use built-in GPS. They “see” in the dark using sound (echolocation).
अगर चमगादड़ इंसान होते, तो उनके पास अंदरूनी जीपीएस होता। वे आवाज़ के जरिए अंधेरे में “देख” सकते हैं।
- Shark – The Tooth Factory**
If sharks were human, they would never worry about losing teeth. They grow new teeth again and again.
अगर शार्क इंसान होती, तो उन्हें दांत टूटने की चिंता नहीं होती। उनके नए दांत बार-बार उग आते हैं।
- Sloth – The Relaxation Expert**
If sloths were human, they would win a slow-living award. They move so slowly that plants can grow on their fur.
अगर स्लॉथ इंसान होते, तो वे सबसे धीरे जीवन जीने का पुरस्कार जीतते। वे इतने धीरे चलते हैं कि उनके शरीर पर काई उग जाती है।

- Dr. Vijayanti Jakhar
Assistant Professor of Zoology
G.C. Mangali, Hisar

“The Secret Life of Bees मधुमक्खियों का रहस्यमय जीवन”

- Super Communicators / सुपर कम्यूनिकेटर्स**
 - Honeybees use a “waggle dance” to show the location of food. मधुमक्खियां “वैगल डांस” का इस्तेमाल भोजन के स्थान को बताने के लिए करती हैं।
 - The dance shows direction and distance. यह नृत्य दिशा और दूरी दिखाता है।
- Tiny Architects / छोटे लेकिन महान वास्तुकार**
 - Bees build perfect hexagonal honeycombs. मधुमक्खियां पूरी तरह से हेक्सागोनल (षट्भुज) छत्तियां बनाती हैं।
 - Hexagons are strong, efficient, and save wax. षट्भुज मजबूत होते हैं, जगह बचाते हैं और कम मोम का इस्तेमाल होता है।
- Incredible Memory / अद्भुत स्मरण शक्ति**
 - Bees can remember human faces and flowers. मधुमक्खियां इंसानों के चेहरे और फूलों को याद रख सकती हैं।
 - They recall flower locations for days or weeks. वे फूलों के स्थान को दिनों या हफ्तों तक याद रखती हैं।
- Team Players / टीम के खिलाड़ी**
 - A hive can have 20,000–60,000 bees. एक छत्ता में 20,000–60,000 मधुमक्खियां हो सकती हैं।
 - Each bee has a role: worker, drone, or queen. हर मधुमक्खी का एक रोल होता है: काम करने वाली, नर या रानी।
- Amazing Flight / अद्भुत उड़ान**
 - Bees can fly up to 24 km/h. मधुमक्खियां 24 km/h तक उड़ सकती हैं।
 - Wings beat 200 times per second, creating the buzz. उनके पंख हर सेकंड 200 बार फड़कते हैं, जो वह परिचित बज की आवाज बनाते हैं।
- Tiny But Mighty Defenders / छोटे लेकिन शक्तिशाली रक्षक**
 - Worker bees sting to protect the hive, sacrificing their life. काम करने वाली मधुमक्खियां छत्ते की रक्षा के लिए डंक मारती हैं और अपनी जान की कुर्बानी देती हैं।
 - Their stinger is barbed. उनका डंक कांटा जैसा होता है।
- Super Pollinators / सुपर परागणकर्ता**
 - Bees pollinate crops and wild plants. मधुमक्खियां फसल और जंगली पौधों का परागण करती हैं।
 - One bee may visit 5,000 flowers a day. एक मधुमक्खी रोजाना 5,000 फूलों पर जा सकती है।
- Temperature Controllers / तापमान नियंत्रक**
 - Bees keep the hive at 35°C by fanning wings or clustering. मधुमक्खियां पंख फड़फड़ाकर या एक साथ घूमकर छत्ते का तापमान 35°C बनाए रखती हैं।
 - Keeps brood healthy and wax soft. यह बच्चों को स्वस्थ रखता है और मोम को नरम बनाए रखता है।
- Queen’s Royal Life / रानी का शाही जीवन**
 - Queen bee lives 3–5 years, workers only 5–6 weeks. रानी मधुमक्खी 3–5 साल तक जीवित रहती है, जबकि काम करने वाली 5–6 हफ्तों।
 - She mates once but lays eggs for life. वह केवल एक बार मिलन करती है, लेकिन अपने जीवन भर अंडे देती रहती है।
- Honey Power / शहद की शक्ति**
 - Honey lasts for decades if stored properly. सही तरीके से रखा गया शहद दशकों तक चलता है।
 - Contains enzymes and natural preservatives. इसमें एंजाइम और प्राकृतिक संरक्षक होते हैं।

- Sneha and Tammana

Roll No. 1251046014 and 1251046016

B.A. Ist Year

“Secrets of Soil Engineers मिट्टी के इंजीनियरों के रहस्य”

- Nature’s Soil Engineers / प्रकृति के मिट्टी इंजीनियर**
 - Earthworms tunnel through soil, improving aeration and water drainage. कीड़े मिट्टी में सुरंग बनाते हैं, जिससे हवा और पानी आसानी से गुजरते हैं।
- Fertilizer Makers / प्राकृतिक उर्वरक निर्माता**
 - Their casts (poop) are rich in nutrients, helping plants grow better. उनकी खाद पौधों के लिए पोषक तत्वों से भरपूर होती है।
- Super Recyclers / सुपर रिसायकलर**
 - Earthworms eat dead leaves and organic matter, recycling nutrients back into soil. कीड़े मृत पत्ते और कार्बनिक पदार्थ खाते हैं और पोषक तत्व मिट्टी में लौटाते हैं।
- No Lungs, No Problem / फेफड़े नहीं, कोई दिक्कत नहीं**
 - Earthworms breathe through their skin; they need moisture to survive. कीड़े अपनी त्वचा से सांस लेते हैं, इसलिए उन्हें नम मिट्टी चाहिए।
- Amazing Regeneration / अद्भुत पुनर्जीवन क्षमता**
 - Some species of earthworms can regrow lost segments. कुछ कीड़े अपने खोए हुए हिस्सों को फिर से उगा सकते हैं।
- Night Crawlers / रात के रोमांचक यात्री**
 - Earthworms are mostly active at night, avoiding predators and sunlight. कीड़े ज्यादातर रात में सक्रिय होते हैं, ताकि शिकारियों और सूरज से बच सकें।
- Long Lifespan / लंबा जीवन**
 - Depending on the species, earthworms can live 4–8 years in soil. प्रजाति के अनुसार, कीड़े मिट्टी में 4–8 साल तक जीवित रह सकते हैं।
- Hermaphrodites / दोनों लिंग वाले जीव**
 - Earthworms have both male and female reproductive organs. कीड़ों में पुरुष और महिला दोनों प्रजनन अंग होते हैं।
- Soil Health Heroes / मिट्टी के नायक**
 - Their tunneling mixes minerals and organic matter, improving soil fertility. उनकी सुरंगें मिट्टी में खनिज और कार्बनिक पदार्थ मिलाती हैं, जिससे मिट्टी उर्वरक बनती है।
- Sensitive to Environment / पर्यावरण के प्रति संवेदनशील**
 - Earthworms react to vibrations, chemicals, and soil conditions. कीड़े कंपन, रसायन और मिट्टी की परिस्थितियों के प्रति संवेदनशील होते हैं।

- Aastha and Payal

Roll No. 1241046043 and 1241046033

B.A. IInd Year

मिट्टी का सुपरस्टार - केंचुए

मैं आशिष, बी.ए. द्वितीय वर्ष का छात्र,
पर केंचुओं का जीवन-चक्र मन को कर दे प्रसन्न !
खंडित शरीर, क्लिटेल्म - कितने रोचक शब्द,
जीवविज्ञान अचानक स्कूल में लगने लगे मजेदार !
मिट्टी में गहराई तक सुरंगें बनाते बड़े सलीके से,
प्रकृति की ये भूमिगत सड़कें कितनी अनोखी तरीके से !
सूखी पत्तियाँ खाकर गर्व से करते पुनर्चक्रण,
कीड़ों की मेहनत से पौधों तक पहुँचते पोषक तत्व हर क्षण !
फेफड़े नहीं, फिर भी त्वचा से लेते श्वास,
छोटे हैं, पर विज्ञान में इनकी बड़ी है खास पहचान !
धरती के नीचे शांत कर्मयोगी,
मिट्टी को बना दें उपजाऊ और योगी !
कुछ कटने पर फिर से अंग उगा लेते,
पुनर्जनन की कला प्रकृति से ही पा लेते !
अधिकतर रात में सक्रिय, धूप से रहते दूर,
शिकारियों से बचना ही उनका मजेदार उसूल !
आयु 4-8 वर्ष - प्रजाति पर निर्भर बात,
कीड़ों का जीवन भी विज्ञान की गहरी सौगात !
उभयलिंगी होते - नर और मादा दोनों एक में,
प्रजनन की अद्भुत क्षमता प्रकृति के नेक में !
मिट्टी के स्वास्थ्य के रक्षक, खनिज और चिकनी मिट्टी मिलाने,
धरती को उपजाऊ बनाकर पौधों को खुशहाल बनाते !
डॉ. विजयन्ती जाखड़ ने तीसरे सेमेस्टर में सिखाया बड़े अंदाज से,
वर्मीकल्चर और वर्मीकम्पोस्टिंग का ज्ञान दिया बड़े प्यार से !
वे कहती हैं, "देखो, मापो, केवल मत निहारो,
कीड़ों की दुनिया में छिपे रहस्य हर ओर तलाशो !"
नन्हे मगर शक्तिशाली, लहराते हुए चलते सुन्दर ढंग से,
प्रकृति में कीड़ों की मेहनत सचमुच है सबसे अलग रंग से !
मजेदार लगता है, पर विज्ञान बहुत गहरा है,
एक छोटा-सा केंचुआ भी मिट्टी का अनमोल खजाना ठहरा है !

- आशिष

रोल नंबर: 1241046007

बी.ए. द्वितीय वर्ष

Eco Stars पर्यावरण सितारे

Ritu, B.A. First Year की star,
EVS की class में knowledge ले जाए हमें far!
Dr. Vijayanti Mam teaches us EVS in 1st semester with care,
"Reduce, Reuse, Recycle"- eco-love everywhere!
Trees हैं lungs, energy बचाओ,
Solar और wind से pollution को दबाओ!
Animals cool, insects भी smart,
Biodiversity rules - nature है heart!
Plastic free रहो, garbage dispose right,
Oceans safe रखें, marine life bright!
Save the bees, save the birds,
Nature बोले हमें sweetest words!
Rainwater harvest करो, ponds को clean,
Plants और Earth रहे forever green!
Funny लगता है, लेकिन science है deep,
Ritu और Jiya promises रखो keep!
Small actions matter - daily eco quest,
Saving Nature और Earth - हम करेंगे best!

- Ritu

Roll No. 1251046005

B.A Ist Year

Government College, Mangali

49

SRIJAN 2025-26

Haryanvi College Rap

इको स्वैग

ओ भाई सुन ले, धरती के हीरे पेड़-पौधे सैं,
इनके बिना जिंदगानी अधूरी, सब काम आधे सैं।
पाणी की बूंद, नदिया चमकदार,
धरती माँ कहवे - संभाल ले यारा।
धूप-छांव, हवा अर मिट्टी,
मिलकै बनावें धरती चिट्टी-बिट्टी।
कचरा फेंकणा बंद कर दे,
धरती रोवे - यो काम छोड़ दे।
प्लास्टिक, बॉटल सब रीसाइकिल कर,
धरती नै बना दे फिर तंदरुस्त घर।
जानवर, पक्षी, कीड़े-मकोड़े,
इनकी रक्षा कर - ना हों खोड़े।
सोलर-विंड अर पाणी की पावर अपना ले,
ग्रीन एनर्जी तै भविष्य चमकाले।
डॉ. विजयन्ती जाखड़ मैडम का ज्ञान सै भारी,
ईवीएस पढ़ा-पढ़ा के समझा दी जिम्मेदारी सारी।
कॉलेज के छोरे-छोरियां बन गए एक्टिव,
कैंपस क्लीन - एनवायरमेंट पॉजिटिव।
प्रिंसिपल अंजू चौधरी का स्वैग निराला,
डिसिप्लिन टैग - सिस्टम संभाला।
पेड़ लगाओ, गार्डन सजाओ,
रीसाइकिल करो - वाटर बचाओ।
कैंपस शाइन, हर काम प्रॉपर,
ग्रीन कॉलेज - नंबर वन टॉपर।
हरियाली, सफाई अर पाणी का मान,
धरती बचाणा - सबसे बड़ा काम।
यो हरयाणवी रैप सै कॉलेज का टैग,
ग्रीन फ्यूचर - हमारा स्वैग।
बीट पे क्लैप कर, आवाज उठा,
अर्थ बचालै - यो टाइम सच्चा।
आज कर ले मेहनत भाई,
कल का फ्यूचर बने मस्ताई।

- जिया

रोल नंबर: 1251046031

बी.ए. प्रथम वर्ष

The Buzzing Bee Life मधुमक्खी की मस्ती

मैं Nupur और Muskan, बी.ए. First Year की स्टूडेंट्स हैं,
1st Semester में Apiculture पढ़ी हमने, पूरे passion और zeal के संग
मधुमक्खियों की science सुनकर दिल हो जाए thrilled,
Buzzing world में खोकर excitement gets fulfilled!

Bees fly around, buzzing in the sun,
काम करतीं nonstop - what a fun run!
Wings beat fast, हर सेकंड 200 बार,
Buzzing की आवाज़ से class हो जाए बेकरार।

“The waggle dance” उनका secret code,
दिशा और दूरी बताता - फूलों तक का road!
Worker, drone, queen - हर किसी की duty है,
रानी देती eggs, बाकी सब संभालते honey goal।

Honey Bees remember flowers and even faces,
उनकी memory है जैसे छोटे Google spaces!
Dr. Vijayanti Jakhar ने बताया था, Apiculture की class में,
कैसे hive का ध्यान रखें, कैसे honey बनाएं mass में!

Female sting करती है hive की रक्षा के लिए,
Males बस फूलों का रस चखते, जीवन के लिए।
Pollination के heroes, saving fields they strive,
एक मधुमक्खी रोज 5,000 फूलों पर visit करती brave!

Temperature control? It's an easy trick,
Hive का 35°C maintain - real quick!
Honey lasts for decades, golden and sweet,
Nature's gift - इंसानों के लिए treat to eat!

छोटी लेकिन शक्तिशाली, all day buzzing science,
Learn from bees - knowledge और fun play का essence!
मजेदार it seems, लेकिन science है deep,
एक मधुमक्खी देती gifts, humanity के लिए to keep!

- Nupur and Muskan

Roll No. 1251046013 and 1251046015
(SEC. Zoology Apiculture) B.A Ist Year

गणित का इतिहास और विकास

गणित का आरंभ मानव सभ्यता के साथ ही हुआ। जब मनुष्य ने गिनती करना सीखा, तब गणित की नींव रखी गई। प्राचीन मिस्र में भूमि मापन और पिरामिडों के निर्माण के लिए ज्यामिति का प्रयोग हुआ।

भारत ने गणित के क्षेत्र में नई दिशा दी। शून्य और दशमलव पद्धति का आविष्कार यहीं हुआ। आर्यभट्ट ने ग्रहों की गति और त्रिकोणमिति पर महत्वपूर्ण कार्य किया।

आधुनिक युग में गणित ने विज्ञान और तकनीक को नई दिशा दी। 20वीं शताब्दी में कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के साथ गणित का नया युग शुरू हुआ। भारत का योगदान भी महत्वपूर्ण रहा है। महान गणितज्ञों ने विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देकर देश का नाम रोशन किया।

प्राचीन काल आधुनिक काल

0 (शून्य)

निष्कर्ष: गणित केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि सोचने और समझने का एक तरीका है। आज के विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और अन्य क्षेत्रों में गणित का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। भविष्य में AI और आधुनिक कंप्यूटर तकनीक के साथ गणित हमारे जीवन को और अधिक प्रभावित करेगा।

Keshav

Roll No. 1241046006

बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष

Mathematics in Science and Technology

Mathematics is the language of science and the backbone of technology. It provides the tools needed to understand natural laws and to develop modern technologies. Without mathematics, scientific research and technological progress would not be possible.

In science, mathematics is used to express ideas clearly and accurately. Scientific laws, formulas, and experiments depend on mathematical calculations. Subjects like physics, chemistry, and biology use mathematics to analyze data and predict results. Without mathematics, scientific progress would be incomplete. Technology transforms scientific knowledge into usable products, and mathematics guides this transformation. Designing machines, developing software, building infrastructure, and improving communication systems all rely on mathematical reasoning. Even simple technological tools work efficiently because of mathematical planning.

Mathematics also enhances critical thinking. It trains the mind to approach problems logically and systematically, which is essential for innovation in both science and technology.

Thus, mathematics plays a fundamental role in strengthening science and technology. It supports discovery, development, and improvement. Without mathematics, sustainable scientific and technological growth would not be possible. For progress in any scientific or technological field, a strong foundation in mathematics is essential.

Jyoti

Roll No.: 1264042004

Class: B.Sc 1st Year





Hindi Section



Sanskrit Section





English Section



Commerce Section



News Corner

पोस्टर व नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित



मंग-छोर न्यूज १४ २६ अक्टूबर
हिसार। राजकीय महाविद्यालय मंगाली में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए डॉ. विजयलक्ष्मी जहाज ने डॉ. दगनंद आर्य, डॉ. मंजोत के सहयोग से एनर्जेटिक डेवलपमेंट एवं प्लेननेट गैलरी में उद्यमिता पर पोस्टर निर्माण और नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित करवाई। प्रतियोगिता द्वारा विद्यार्थियों को उद्यमिता के बारे में सोचने और विचारों को इभाकी ढंग में प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस प्रतियोगिता में डॉ. शशि वाता, डॉ. नील, डॉ. विजेता, अजय कुमार ने जज की भूमिका निभाई। विजेता डॉ. सुखर भक्ति ने विजेताओं को बधाई दी।

सुलेख प्रतियोगिता में जिला रही प्रथम

मंग-छोर न्यूज १४ फरवरी

हिसार। राजकीय महाविद्यालय मंगाली में सुलेख प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन हिंदी विभाग की प्रभारी सीमा के निर्देशन में किया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका में डॉ. विजेता, डॉ. कमलप्रीत एवं कुमारी सावित्री उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जिवा, द्वितीय स्थान दीक्षा व तृतीय स्थान मुस्कान ने प्राप्त किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अंजु के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना तथा सुलेख की महत्ता को रेखांकित करना रहा।



मंगाली कॉलेज में मनाया लोहड़ी व मकर संक्रांति पर्व



मंग-छोर न्यूज १३ जनवरी

हिसार। राजकीय महाविद्यालय मंगाली में लोहड़ी एवं मकर संक्रांति पर्व का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति द्वारा प्राचार्या प्रो. अंजु चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सांस्कृतिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक समिति तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। सांस्कृतिक समिति की प्रभारी मोति बेनीवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, लोहड़ी व मकर संक्रांति के महत्व, कृषि से जुड़े वैज्ञानिक तथ्य प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना से परिचित कराना है। प्राचार्या प्रो. अंजु चौधरी ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक होते हैं।

राजकीय महाविद्यालय मंगाली में गणित विभाग ने किया निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 17 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया



[विजय शकुन न्यूज] हिसार। राजकीय महाविद्यालय मंगाली में गणित विभाग की ओर से निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि बढ़ाना और गणित के महत्व को समझाना था। प्रतियोगिता में 17 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विजेताओं को बधाई दी।

खेल प्रतियोगिता: 100 मीटर दौड़ में अंजु, 200 मीटर में सुमित अब्दल

अजय कुमार - हिसार। राजकीय महाविद्यालय मंगाली में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में अंजु चौधरी ने 100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सुमित अब्दल ने 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को खेल के महत्व और शारीरिक शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने का उद्देश्य था। प्राचार्या प्रो. अंजु चौधरी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक होते हैं।



मंगाली महाविद्यालय में विद्यार्थियों को सम्मोहित करने हुए।

गवर्नमेंट कॉलेज मंगाली में सरस्वती महोत्सव का आयोजन

मंग-छोर न्यूज १६ जनवरी

हिसार। गवर्नमेंट कॉलेज मंगाली में आज सरस्वती महोत्सव 2026 का आयोजन अत्यंत उत्साह, हीमा एवं शैक्षणिक वातावरण में किया गया। यह कार्यक्रम गवर्नमेंट कॉलेज मंगाली द्वारा आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता डॉ. विजेता नेहा रहीं। कार्यक्रम हिंदी भाषा प्रोफेसर अंजु चौधरी के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ। यह आयोजन उत्कल प्रिन्स निदेशालय, हरियाणा तथा हरियाणा सरस्वती महोत्सव विकास बोर्ड के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। महोत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों के साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सांस्कृतिक विकास को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाई दी गई। प्राचार्या प्रो. अंजु चौधरी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को समग्र विकास में सहायक होते हैं।

मंगाली के राजकीय कॉलेज में व्याख्यान का आयोजन

मंग-छोर न्यूज १६ २० अक्टूबर

हिसार। राजकीय महाविद्यालय मंगाली में आज व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज की प्राचार्या डॉ. अंजु चौधरी ने किया। डॉ. अंजु चौधरी को संबोधित करते हुए प्रतिष्ठित अतिथि परियोजना में साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. कमलप्रीत ने किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना और साहित्य के महत्व को समझाना था। प्राचार्या प्रो. अंजु चौधरी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को समग्र विकास में सहायक होते हैं।



आयोजन करता रहा है। व्याख्यान की मुख्य बात एडवोकेट सावल्या चौधरी ने बताया कि साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन विद्यार्थियों को साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने और साहित्य के महत्व को समझाने का उद्देश्य था। प्राचार्या प्रो. अंजु चौधरी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को समग्र विकास में सहायक होते हैं।

पुरुष वर्ग में दिवेश व महिला वर्ग में सुमिता बने बेस्ट एथलीट

मंगाली कॉलेज में तीसरी वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन

पराक्रम प्रो. नरेश - हिसार, 23 नवम्बर। राजकीय महाविद्यालय मंगाली में तीसरी वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में दिवेश और महिला वर्ग में सुमिता बने बेस्ट एथलीट। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को खेल के महत्व और शारीरिक शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने का उद्देश्य था। प्राचार्या प्रो. अंजु चौधरी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को समग्र विकास में सहायक होते हैं।



प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को खेल के महत्व और शारीरिक शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने का उद्देश्य था। प्राचार्या प्रो. अंजु चौधरी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को समग्र विकास में सहायक होते हैं।

श्रुतलेख प्रतियोगिता में शीतल ने मारी बाजी

मंग-छोर न्यूज १६ ११ नवंबर

हिसार। मंगाली महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति के आयोजित श्रुतलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में शीतल ने मारी बाजी। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने और साहित्य के महत्व को समझाने का उद्देश्य था। प्राचार्या प्रो. अंजु चौधरी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को समग्र विकास में सहायक होते हैं।

Dr. Kamalpreet Kaur
Assistant Professor
Department of Commerce

News Corner



नशा मुक्ति जागरूकता प्रदर्शनी में भाग लेने वाले विद्यार्थी। स्रोत : संस्थान

हिसार। राजकीय महाविद्यालय मंगाली में वीरवार को नशे के प्रति जागरूकता विषय पर एक प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें 25 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रिंसिपल डॉ. अंजू चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्देश्य था विद्यार्थियों को नशे के विविध दुष्परिणामों से परिचित कराना। इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी का आयोजन प्रभारी डॉ. दयानंद आर्य ने किया। इस प्रदर्शनी में डॉ. मीना रानी, डॉ. सुदेश, डॉ. कमलप्रीत कौर, डॉ. अजय, मैडम सीमा व स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। संवाद

राजकीय कॉलेज मंगाली की दीपिका ने बीए प्रथम सेमेस्टर में पाया तृतीय स्थान हिस्सार। राजकीय कॉलेज मंगाली छात्रा दीपिका ने बीए प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में 95.80 प्रतिशत अंक प्राप्त करते जीजेयू में तृतीय स्थान पाया है। प्राचार्या डॉ. सुमन मलिक ने छात्रा को शुभकामनाएं दीं। कॉलेज की मीडिया प्रभारी डॉ. कमलप्रीत कौर ने बताया कि मंगाली कॉलेज में अध्ययनरत छात्रा दीपिका ने जीजेयू द्वारा घोषित परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन से बीए प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में 95.80 प्रतिशत अंक पाए हैं।

राजकीय महाविद्यालय मंगाली में बौद्धिक संपदा अधिकार पर व्याख्यान आयोजित

हिसार, 20 अप्रैल (ब्यूरो) : राजकीय महाविद्यालय मंगाली में एवं आई.पी. आर. आर.एंड.डी. प्रकोष्ठ की ओर से बौद्धिक संपदा अधिकार पर महत्वपूर्ण और ज्ञानवर्धक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन आई.पी.आर. एवं आर. एंड डी. प्रकोष्ठ की संयोजक डा. कमलप्रीत कौर ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कॉलेज की प्राचार्या डा. अंजू चौधरी छात्रों को संबोधित करते हुए आज के गतिशील आर्थिक परिवेश में बौद्धिक संपदा के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने युवाओं को नवाचार, आत्मविश्वास तथा सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता एडवोकेट लावण्या चौधरी ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार आज के युग में नवाचार की रीढ़ हैं। ये न केवल आविष्कारक और रचनाकार को उसके परिश्रम का फल दिलाते हैं बल्कि देश की आर्थिक प्रगति और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों को भी मजबूती देते हैं। इस अवसर पर सहयोगी के रूप में डा. दयानंद आर्य, अजय कुमार और सीमा भी उपस्थित रहे।

युवाओं के लिए उद्यमिता के अवसर विषय पर आईटी एवं उद्यमिता पर आईईसीएस ने लगाया सेमिनार

विद्यार्थी पद्म न्यूज, हिस्सार। राजकीय महाविद्यालय मंगाली, हिस्सार के व्यक्तिगत विकास एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ तथा आईईसीएस कम्प्यूटर क्लबकेन, हिस्सार के संयुक्त संस्थापक ने युवाओं के लिए उद्यमिता के अवसर विषय पर आईटी एवं उद्यमिता से संबंधित सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्या डॉ. सुमन मलिक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सिखाने वह मूल मंत्र है जिसे कोई भी नहीं खोना चाहिए। प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ. विजयेंद्र जाखड़ ने बताया कि यह सेमिनार उद्यमिता महाकाण्ड के अंतर्गत विद्यार्थियों में उद्यमिता के मूलभूत पक्ष को समझने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।



कहा कि एक सफल उद्यमी के लिए नवाचार, संविधान बनाने की क्षमता, स्वायत्तता, प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण, संसाधनों का प्रभावी उपयोग और तकनीकी ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को पूर्ण योग्यता, लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन और सम्पत्तिक दृष्टि पर विशेष ध्यान देने को प्रेरणा दी। इस अवसर पर आईईसीएस निदेशक पीपूज जैन ने

कहा कि आईईसीएस सदस्य युवाओं को बर्बाद नहीं बनाने, सर्वोत्तम तकनीकों में प्रशिक्षण करने और उद्यमिता को सफल विकल्पित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रकार के सेमिनार अवसरों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी और वे अपने उद्यमिता के सपने को साकार कर सकेंगे।

विज्ञान प्रदर्शनी में राजकीय महाविद्यालय मंगाली रहा द्वितीय

नभ-छोर न्यूज 22 जनवरी हिस्सार। राजकीय महाविद्यालय मंगाली ने अंतर जिला विज्ञान प्रदर्शनी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। टोहाना में आयोजित इस प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय मंगाली से भौतिक विज्ञान, बॉटनी और जीव विज्ञान विषयों के कुल पाँच विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें डॉ. संजय, सहायक प्रोफेसर, जीव विज्ञान के नेतृत्व में प्रतिभागी मुस्कान और अंकिता ने संयुक्त रूप से

द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विज्ञान प्रदर्शनी की प्रभारी दीपिका ने बताया कि इस प्रतियोगिता में हिस्सार, फतेहाबाद और सिरसा जिलों के महाविद्यालयों ने भाग लिया था। कॉलेज प्राचार्या प्रोफेसर अंजू चौधरी ने विजेता छात्राओं को बधाई दी। इस उपलब्धि को प्राप्त करने में डॉ. सुदेश रानी, डॉ. मनजीत सिंह, डॉ. वैजयंती जाखड़, डॉ. मोनिका और डॉ. विजेता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कॉलेज मंगाली में जीवन में सफलता के लिए व्यक्तित्व विकास विषय पर सेमिनार

हिसार। राजकीय कॉलेज मंगाली के व्यक्तित्व विकास एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ ने जीवन में सफलता के लिए व्यक्तित्व विकास विषय पर सेमिनार किया। प्राचार्या डॉ. सुमन मलिक ने मुख्य वक्ता डॉ. सतीश कुमार का स्वागत किया और विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अपने व्यक्तित्व को विकसित करने का मूल मंत्र दिया। डॉ. सतीश कुमार ने अपने संबोधन में व्यक्तित्व विकास के मूल सिद्धांत और जीवन में सफलता के लिए व्यक्तित्व विकास विषय पर छात्रों को जानकारी प्रदान की।

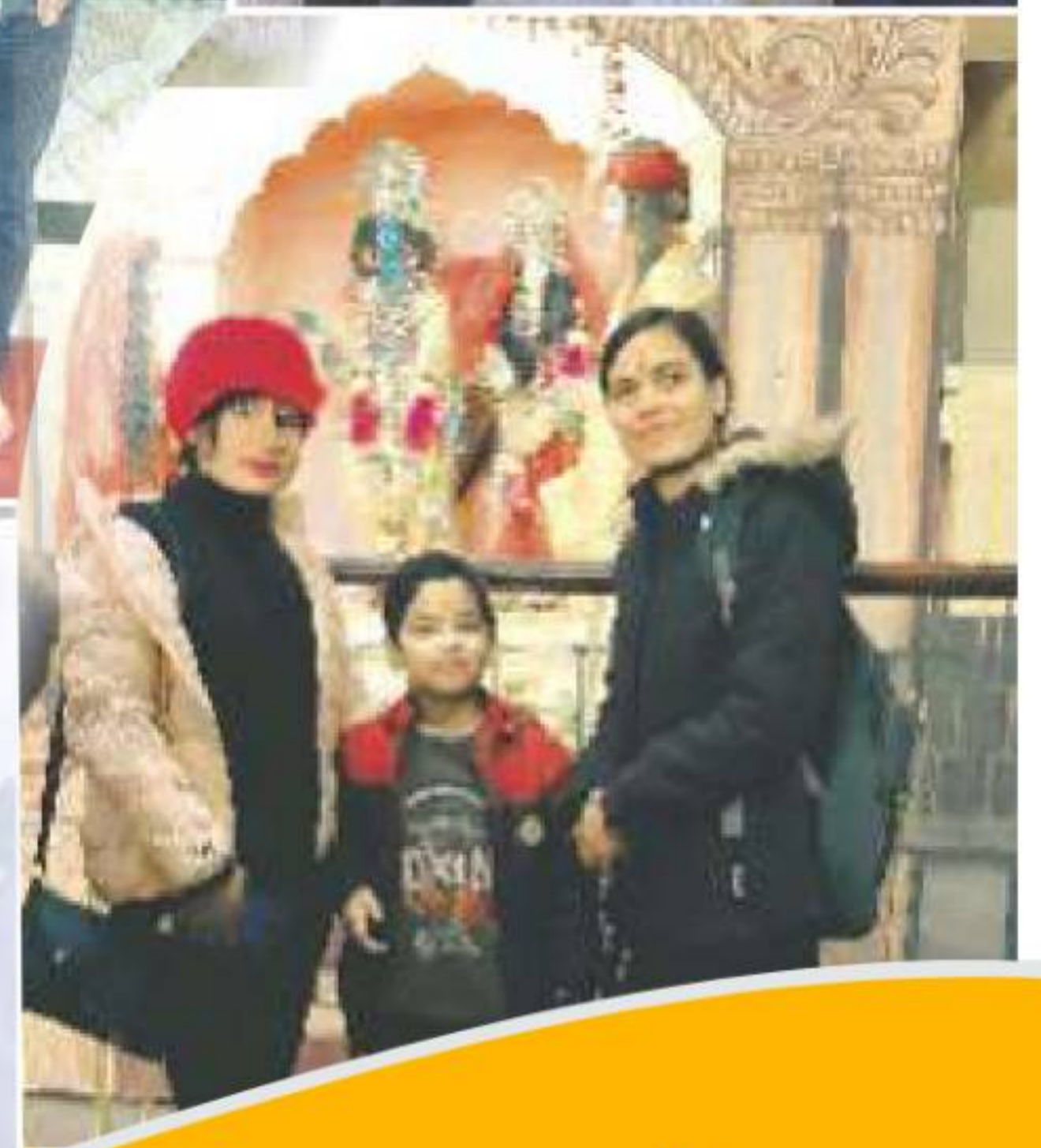
मंगाली कॉलेज में गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

नभ-छोर न्यूज 26 जनवरी

हिसार। राजकीय महाविद्यालय मंगाली में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की मीडिया प्रभारी डॉ. कमलप्रीत कौर ने बताया कि महाविद्यालय प्रांगण में प्रातः 10 बजे प्राचार्या प्रोफेसर अंजू चौधरी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। प्रोफेसर चौधरी ने कहा कि गणतंत्र दिवस भारत के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ था, जिससे भारत एक संप्रभु, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना। गणतंत्र दिवस लोकतंत्र की जीत और देशभक्ति का पर्व है। हमारा प्रत्येक कार्य देश को समर्पित होना चाहिए।



Women Cell



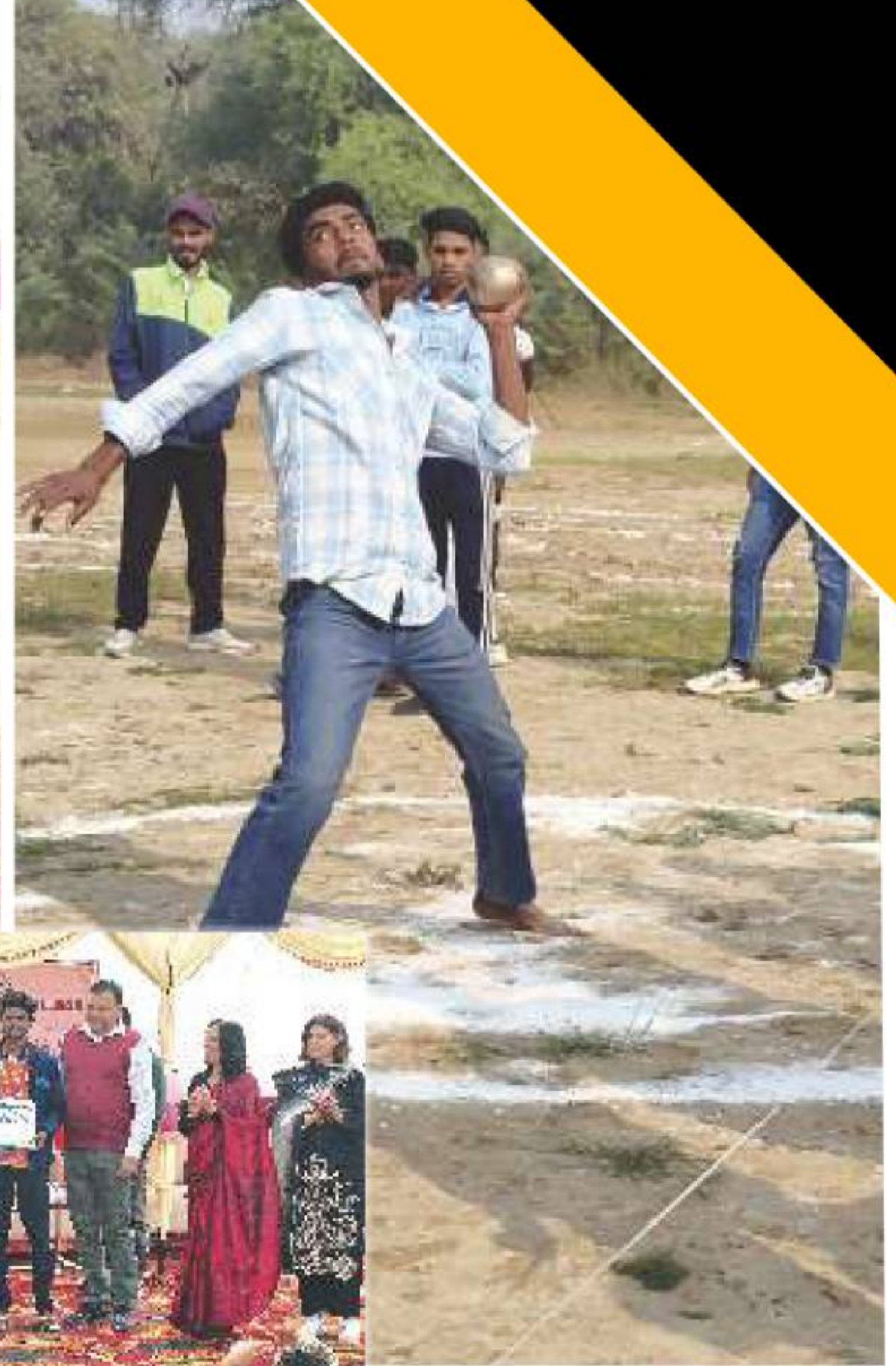
Ms. Seema
Assistant Professor
Department of Hindi

WomenCell



Dr. Monika
Assistant Professor
Department of Computer Science

Sports



Mr. Mohinder Singh
Assistant Professor
Department of History

Sports



Mr. Sudhir
Assistant Professor
Department of Physical

Cultural Activities



Ms. Jyoti Beniwal
Assistant Professor
Department of Commerce

Cultural Activities



Staff Members



**Government College,
Mangali, (Hisar)**

उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबीधत

उठो, जागो और लक्ष्य
की प्राप्ति तक रूको मत।
ARISE! AWAKE! and stop NOT
until THE GOAL is reached.



Government College

Mangali (Hisar)